04 - अंधविश्वास के जरिए खत्म हो रहा विवेक

05 - संविधान और मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 4 अगस्त, 2025

06 - मिलावट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन का अभियान जारी

07 - सभी त्यौहार आनंद, उल्लास, आपसी सद्भाव एवं शांतिपूर्ण तरीके से...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 326, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मौन महामारी यानी आयोडीनयुक्त नमक बनाम लो-सोडियम नमक !

प्रो. (डॉ.) राहुल पटेल

नमक के संदर्भ में अनेक विमर्श हैं। यह गांधी के नमक सत्याग्रह से लेकर बाजारवाद के दौर में इसके 'नमक हो तो टाटा का' जैसे विज्ञापनों से देखा-समझा जा सकता है। नमक मात्र एक खाद्य पदार्थ नहीं, अपितु यह सामाजिक संरचना के ताने-बाने को बुनने वाली एक इकाई भी है, इसके बिना भारतीय समाज, संस्कृति की कल्पना नहीं की जा सकती।

कुछ ही समय पहले आईसीएमआर-नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एपिडेमियॉलजी की नमक के सन्दर्भ में एक रिपोर्ट अहम् है, जो अधिक और गुणवत्ताहीन नमक के सेवन के चलते हमारे स्वास्थ्य पर पड़ने वाले वाले गम्भीर दुष्प्रभावों की तरफ ध्यान आकर्षित करती है।

उसके एक अंग 'नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एपिडेमियॉलजी' के अनुसार- 'भारतीय लोग ज्यादा नमक का सेवन करते हैं, जो अब 'साइलेंट सॉल्ट एपिडेमिक' बन चुका है। इसके असंतुलित और अधिक मात्रा में सेवन करने से भारत के ज्यादातर लोग हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक, कार्डियो-वैस्क्युलर बीमारियों, गुर्दा रोगों एवं अन्य अनेक गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, खासकर बच्चे।'

पैरासेल्सस (1538) ने एक बात कही थी जो विष विज्ञान का मूलभूत सिद्धांत बना कि, 'सभी वस्तुएं विष हैं, और कुछ भी विषविहीन नहीं है; यह वस्तु की मात्रा पर निर्भर करता है कि वह विष होगी या औषधि।' हमारे खान-पान में सोडियम का सबसे प्रमुख स्रोत है। हमारे शरीर को कई तरह की प्रक्रियाओं के लिए सोडियम की ज़रूरत होती है। कोशिकाएं ठीक से काम करें।

शरीर में मौजूद फ़्लूइड्स (तरल पदार्थ) और इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलित रहें और ब्लड प्रेशर संतुलित रहे, एसिड बेस-भार साम्य, हार्मोन की आवश्यक सामग्री, शारीरिक चुस्ती, आस्रवण अवस्था, एंजाइम सिस्टम, देह में सेल-मेम्ब्रेन और कैपिलरी पर्मियेबिलिटी आदि नियंत्रण में रहे, ये सब काम सोडियम की वजह से ही मुमकिन हो पाते हैं, लेकिन हमारे शरीर के लिये इतने महत्वपूर्ण तत्व के बारे में हम लोग कम जागरूक हैं। जिसके कारण जिसे हम औषधि समझ कर खा रहे होते हैं वही विष जैसा प्रभाव उत्पन्न करती जा रही है।

'फार्च्यून बिज़नेस इनसाइट्स,' के अनुसार वैश्विक नमक का व्यापार वर्ष 2024 में 25.98 बिलियन डॉलर का था। वर्ष 2025 में इस आँकड़े के 26.92 बिलियन डॉलर तक पहुंचने और 2032 तक 36.13 बिलियन डॉलर होने की पूरी संभावना है। भारत में अगर देखें तो सॉल्ट कमिश्नर के अनुसार देश में वर्ष 2022-23 में कुल 391.13 लाख टन उत्पादित नमक में से 74 लाख टन औसतन घरेलू और 125 लाख टन औद्योगिक उपयोग में खपाया गया। हमारा देश आयोडीन डेफिशिएंसी डिसऑर्डर्स (आईडीडी) के समूल उन्मूलन के लिए कटिबद्ध है तथा यूनिवर्सल सॉल्ट आयोडाइज़ेसन और कंजम्पशन समेकित कंट्रोल प्रोग्राम की नीति का समर्थक भी है।

यह प्रयास नेशनल आयोडीन डेफिशिएंसी डिसऑर्डर्स के अंतर्गत है। आईसीएमआर-एनआईएन के तकनीकी सहयोग से नमक का 'डबल फोर्टीफिकेशन' (डीएफएस), जिसमें आयोडीन और आयरन दोनों को नमक के माध्यम से वितरित करके देश से 'आयरन डेफिशिएंट एनिमिया' को समाप्त करने में मदद मिली। भारत ने 1992 में यूनिवर्सल आयोडाइज़ेशन की योजना अंगीकार करते हुए 1997 में आयोडीन-विहीन नमक को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था।

एक शोध के अनुसार यह प्रयास जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए, बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने और उनके शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किये गए थे। इसका एक दूसरा भी रूप है- 'रॉक सॉल्ट'। भारत में रॉक सॉल्ट मार्केट वित्तीय वर्ष 2024 में 315 मीट्रिक टन का था जिसके वित्तीय वर्ष 2032 में 448.07 मीट्रिक टन होने की संभावना है। इसमें रोचक पहलू यह है कि हम एक ओर तो नमक की खपत और उत्पादन को निरंतर बढ़ा रहे हैं तो दूसरी तरफ़ हम विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प ले कर चल रहे हैं कि 2025 तक सोडियम के सेवन के स्तर को वर्ष 2010 के बेस लाइन डेटा की तुलना में 30 प्रतिशत तक घटा देंगे।

यह कितना विरोधाभासी है! न्यूजक्लिक में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया 2025 तक सोडियम सेवन को 30 प्रतिशत तक कम करने के अपने वैश्विक लक्ष्य को हासिल करने से पीछे छूटती नजर आ रही है। उत्पादन, उपभोग, उपभोक्ता, बाज़ार, जनसंख्या, माँग-आपूर्ति सब बढ़ रहे हैं। नमक के तीनों रूपों- सफेद, काला, सेंधा नमक में बिकने की होड़-सी मची है। खूब प्रचार है। बाज़ार और भौतिकतावादी सोच की वजह से हम मानक से अधिक मात्रा में नमक का सेवन कर रहे हैं।

वैज्ञानिक सहमत हैं कि लोगों की तम्बाकू और पानमसाला खाने की प्रवृत्ति भी नमक के अधिक सेवन के लिए जिम्मेदार है। इन सबके बीच सबसे दुखद पक्ष तो यह है कि नमक की गुणवत्तापूर्ण खपत आज भी भारत के एक बड़े हिस्से के लोगों के द्वारा नहीं की जाती। आईसीएमआर-एनआईई के एक रिपोर्ट के अनुसार, 'सोडियम का कम सेवन रक्तचाप कम करने और समग्र हृदय स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है, जिससे कम सोडियम वाले विकल्प, खासकर उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों के लिए, एक सार्थक बदलाव बन जाते हैं।'

रिपोर्ट में यह भी दावा किया है कि सिर्फ़ 'लो-सोडियम सॉल्ट' (एलएसएस) पर लौटने से रक्तचाप औसतन 7/4 मिलीमीटर ऑफ मरकरी तक कम हो सकता है। देखने में यह एक छोटा-सा बदलाव है लेकिन इसका लोक-स्वास्थ्य पर व्यापक असर होता है।

'एलएसएस' सोडियम के खपत को नियंत्रण में रखने का यह एक बहुत ही प्रभावशाली तरीका हो सकता है, लेकिन जरूरी है कि यह आसानी से उपलब्ध हो। रिपोर्ट बताती है कि एलएसएस केवल 28 प्रतिशत खुदरा दुकानों में, 52 प्रतिशत तक सुपरमार्केट में तथा छोटे ग्रॉसर शॉप में केवल 4 प्रतिशत तक ही उपलब्ध है। रिपोर्ट इस तथ्य की तरफ़ भी इशारा करती है कि एलएसएस की कीमत सामान्य आयोडीन-युक्त नमक की तुलना में दोगुने से भी अधिक है जिसका शीघ्रता से निराकरण की आवश्यकता है।

देश की आधी से अधिक आबादी तक एलएसएस उपलब्ध करा पाना और आम जन, जो इसकी अधिक कीमत के कारण उपभोग नहीं कर पा रहे, उनतक इसे पहुंचाना राज्यों के समक्ष एक बड़ी चुनौती है जिसपर सरकारों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस पर जागरूकता फ़ैलाने से लेकर इसकी सहज और सस्ती उपलब्धतता को सुनिश्चित करना भी सरकारों की एक बड़ी जिम्मेवारी है। इस प्रक्रिया में जनवितरण प्रणाली के द्वारा सस्ते और गुणवत्तापूर्ण नमक का वितरण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। नमक जैसे पदार्थ को बाजारू शक्तियों के चंगुल से निकाल कर राज्यों को इसके उत्पादन और वितरण पर स्वय पहल करनी चाहिए ताकि जन-जन तक गुणवत्तापूर्ण और सस्ते नमक को पहुँचाया जा सके।

('डाउन टू अर्थ' हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

यूपी के गोंडा में नहर ने 'लील' ली 11 जिंदगी

तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिरी

गोंडा (एजेंसी)। यूपी के गोंडा में तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 साल की एक बच्ची लापता है। बोलेरो में 16 लोग थे। 4 को शीशा तोड़कर स्थानीय लोगों ने बचा लिया। यह सभी जल चढ़ाने पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि बोलेरो से एक भी शख्स खुद बाहर नहीं निकल पाया। बारिश के चलते नहर में लबालब पानी था। नहर में गिरते ही गाड़ी पूरी तरह से डूब गई और उसके गेट लॉक हो गए। अंदर बैठे लोग छटपटाते रहे। तड़प-तड़पकर उनकी मौत हो गई। जहां हादसा हुआ, वहां आसपास ग्रामीण थे। बोलेरो नहर में गिरती देख वह बचाने के लिए पानी में कूद गए लेकिन, गेट नहीं खोल पाए। रस्सी बांधकर बोलेरो को किनारे तक ले आए, तब जाकर गाड़ी का कुछ हिस्सा बाहर आया। बमुश्किल खिड़की का शीशा तोड़कर 4 लोगों को बचाकर बाहर निकाला। हादसा रविवार सुबह 10 बजे इटियाथोक थाना क्षेत्र में हुआ। हादसे के बाद का वीडियो सामने आया है। इसमें सड़क पर 11 लाशें पड़ी हुई हैं। किसी को बेटी तो किसी को किसी को बेटा सीपीआर देकर बचाने की कोशिश करता नजर आ रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त कार की स्पीड 60 किमी प्रति घंटे थी। मृतकों में 6 महिलाएं, 2 पुरुष और 3 बच्चे हैं। एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत, पड़ोसी की पत्नी और बहन भी हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हुई है। इनमें प्रहलाद की पत्नी बीना (44), दो बेटियां काजल (22), महक उर्फ रिंकी (14), प्रहलाद के चौथे नंबर के भाई रामकरण आदि शामिल हैं।

● गाड़ी में छटपटाते रह गए पर बाहर नहीं निकल पाए

चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को भेजा नोटिस

ईसी ने पूछा-वोटर आईडी के दो ईपिक नंबर कैसे आए

पटना (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को नोटिस भेजा है। इसमें पूछा गया है कि उनके पास वोटर कार्ड के दो ईपिक नंबर कैसे आए। बिहार की दीघा विधानसभा के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी ने नोटिस में कहा है कि आपके द्वारा ईपिक संख्या आरएबी 2916120 दिखाया गया, जो आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। इस ईपिक कार्ड का विवरण और मूल कार्ड आयोग को उपलब्ध कराएं, ताकि इसकी गहन जांच की जा सके। एनडीए नेताओं ने तेजस्वी के खिलाफ वो वोटर आईडी रखने के मामले में एफआईआर करने की मांग की है। ईसी ने कहा कि कुछ समाचार माध्यमों से ये जानकारी मिली है कि तेजस्वी प्रसाद यादव का नाम विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रारूप मतदाता सूची में नहीं है। इस बारे में जिला प्रशासन, पटना द्वारा जांच की गई। इसमें पता चला कि नेता प्रतिपक्ष का नाम प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज है। वर्तमान में उनका नाम मतदान केन्द्र संख्या 204, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन, क्रम संख्या 416 पर अंकित है। इससे पहले उनका नाम बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन, मतदान केन्द्र संख्या 171, क्रम संख्या 481 पर दर्ज था।

● एनडीए को भी मिला मौका, बोली-एफआईआर दर्ज हो

कुलगाम में साल का सबसे बड़ा ऑपरेशन जारी

● स्पेशल पैरा फोर्स ने 3 आतंकियों का किया खात्मा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में पिछले तीन दिनों से लगातार सेना और आतंकियों के बीच में एनकाउंटर जारी है। बताया जा रहा है कि यह इस साल का सबसे बड़ा ऑपरेशन है जिसमें अब तक तीन आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। इस ऑपरेशन की अहमियत को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसमें हाईटेक सर्विलांस सिस्टम और स्पेशल पैरा फोर्स तक को शामिल किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बातचीत के दौरान बताया है कि एक अगस्त को दक्षिण कश्मीर के अखल वन क्षेत्र में ऑपरेशन को शुरू किया गया था, ऐसे इनपुट मिले थे कि कुछ आतंकी वहां पर छिपे हुए हैं। वैसे इस ऑपरेशन से पहले सेना ने पहलगाम के दोषियों को भी मौत की घाट उतारा था। असल में सेना और पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन महादेव को अंजाम दिया था जिसके जरिए सुलेमान, अफगान, जिब्रान नाम के आतंकियों को ढेर किया गया। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऑपरेशन महादेव की पुष्टि की थी, उनकी तरफ से देश की संसद में उस बारे में विस्तार से बताया गया था। अमित शाह ने कहा था कि 22 अप्रैल को आईबी के पास ह्युमन इंटेल आई थी।

विकास की राह पर हम सबको साथ लेकर बढ़ रहे हैं आगे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में 155 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास का प्रकाश सभी तक पहुंचे, हमारी सरकार इसी मंशा से काम कर रही है। विकास की हर एक बात पर और तरक्की की राह पर हम सबको साथ लेकर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उज्जैन में 155 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों से शहर की तस्वीर बदलेगी। इन निर्माण कार्यों से शहर की बड़ी आबादी को स्थाई लाभ मिलेगा। इन निर्माण कार्यों से वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में भी आसानी होगी। उन्होंने कहा कि यह तो सिर्फ बानगी है, विकास की पूरी फिल्म अभी बाकी है। प्रदेश में चहुंओर विकास के काम हो रहे हैं। देश के साथ-साथ हमारा अपना मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। विकास की बयार से प्रदेश का हर कोना निखर रहा है। उज्जैन जिले में हो रहे विकास कार्यों का विस्तार से जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के नवनिर्माण में हम सबका सहयोग लेकर आगे बढ़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कालीदास अकादमी में उज्जैन शहर में विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्यापूजन कर लगभग 155 करोड़ रुपए की लागत वाले 8 नवीन सेतुओं और दो नवीन मार्गों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। कार्यक्रम में बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विशाल राखी भेंट की। उन्होंने सभी बहनों का आभार जताया और कहा कि हमारी सरकार बहनों का मान-सम्मान बढ़ाने में कोई कमी नहीं रखेगी।

नानाखेड़ा स्टेडियम में 50 करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे एस्ट्रो टर्फ और पेवीलियन : सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में बैडमिंटन प्रति अच्छा वातावरण बन रहा है। उज्जैन के नानाखेड़ा स्टेडियम का विकास 11:45 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। आने वाले समय में यहां 50 करोड़ रुपए की लागत से एस्ट्रो टर्फ और पेवीलियन बनाए जाने की मंजूरी सरकार द्वारा दी गई है। यहां सिंथेटिक ट्रेक भी बनाया जाएगा। स्टेडियम में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व के अंतर्गत विक्रम उद्योगपुरी में 1000 एकड़ जमीन उद्योगों की स्थापना के लिए आवंटित की गई है, आने वाले समय में 1000 एकड़ जमीन और दी जाएगी। विकास के मामलों में अब उज्जैन पीछे नहीं रहेगा।

सुप्रभात

अटारी पर बैठे लोग अब नीचे उतर आए हैं
इत्र फुलेल से महकता जिस्म
अब अंदरूनी गंदगी के
बदबू भरे पसीने से परेशान है
तरबतर हैं उनके कपड़े

सारी रात ये लोग
आकाशगंगा से झरने वाले अंधेरे को
अमरित की बूंद की तरह चाटते रहे।

रीते जाम भरते रहे
हाय-हाय करते रहे।
बेबसी की चोट से घायल जिंदगी को
इन्होंने शराब बनाकर पिया।

और अब रास्ते साफ़ हो गए हैं
वस्तुएं और विचार
साकार हो गए हैं।
भटकते लोग उम्मीदों से भर गए हैं।

ये रात के रहनुमां
रात को कब तक सुरक्षित रख सकते हैं?
ज़िंदगी की बेख़बरी में
मंज़िल तक पहुंच जाने के इनके इरादे
अधूरे रह गए हैं।

कैसे अब ये अपनी पालतू मुर्गियां चुगाएंगे
और रखेंगे महफ़ूज़ अपनी दुरुस्त आत्माएं
यह सब के सब कामयाब लोग
बस्ती में
बेपर्दा हो गए हैं।

खेत पर जाता हुआ किसान
मेड़ पर काम करने वाला मजदूर
इनको घूर-घूर कर देख रहा है
बस्ती भर की आंखें उन पर हैं।

ये बेचारे
किनारे-किनारे चले जा रहे हैं।
इनको डर है कि ये पहचान लिए जाएंगे।
लेकिन
पहचान तो लिए जाएंगे ही।

- हरि नारायण व्यास

घर-घर में खाने की थाली तक पहुंचेगा आयुर्वेद आहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयुर्वेद अब ग्रंथों तक नहीं रहेगा, बल्कि घर-घर में खाने की थाली तक पहुंचेगा। आयुर्वेद आहार को एफएसएसएआई से मान्यता मिल गई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आयुष मंत्रालय के परामर्श से आयुर्वेद आहार श्रेणी के तहत आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों की सूची जारी की है। आयुर्वेद आहार वे खाद्य पदार्थ होते हैं जो आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए जाते हैं। इनमें सब्जियां, और मसालों से लेकर, विशेष आयुर्वेदिक व्यंजनों और औषधीय गुणों वाले खाद्य पदार्थ हो सकते हैं। आयुष मंत्रालय ने कहा है कि नई सूची से प्रामाणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों से प्राप्त व्यंजनों, अवयवों और प्रक्रियाओं पर आधारित खाद्य पदार्थों को मान्यता मिल गई है। 2022 में खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियमों की शुरुआत के बाद भारत के पारंपरिक खाद्य ज्ञान को घर घर तक पहुंचनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। इससे प्रामाणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों से प्राप्त व्यंजनों, अवयवों और प्रक्रियाओं पर आधारित खाद्य पदार्थों को मान्यता मिल गई है। विनियमों या रेगुलेशन की अनुसूची बी के नोट (1) के अंतर्गत जारी की गई यह सूची, अनुसूची ए में सूचीबद्ध शास्त्रीय आयुर्वेदिक ग्रंथों से ली गई है। इससे इन खाद्य पदार्थों की प्रामाणिकता पारंपरिक आधार सुनिश्चित होगा। इस पहल का उद्देश्य आयुर्वेद आहार उत्पादों के निर्माण के लिए स्पष्ट और विश्वसनीय संदर्भ के जरिये खाद्य व्यवसाय संचालकों या फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) की सहायता करना है।

● अच्छी खबर, एफएसएसएआई से मिल गई है मान्यता

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35°c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 4 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

घाटी में खुदाई के दौरान निकलीं 'हिंदू मूर्तियां'

2000 साल पुरानी होने का अनुमान, सर्वेक्षण जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में खुदाई के दौरान शिवलिंग समेत तमाम प्राचीन हिंदू मूर्तियां बरामद की गई हैं। शनिवार को इसकी जानकारी देते हुए अधिकारियों ने मुख्यालय से लगभग 16 किमी दूर है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक इस जम्मू-कश्मीर राज्य का लोक निर्माण विभाग यहां पर एक झरने के जीर्णोद्धार का काम कर रहा था, इसी दौरान मजदूरों

बताया कि यह मूर्तियां ऐशमुकाम के सलिया इलाके में करकूट नाग इलाके में बरामद की गई हैं। यह इलाका कश्मीरी पंडितों के लिए महत्वपूर्ण है। यहां के पंडित आमतौर पर इस इलाके को करकूट वंश से जोड़ते हैं, जिसके बारे में ककहा जाता है कि इस वंश ने 625 से 855 ईपू तक कश्मीर पर शासन किया था। यह जिला को यह मूर्तियां मिली हैं। झरने की खुदाई में 11 शिवलिंगों सहित कुल मिलाकर 15 प्राचीन मूर्तियां मिली हैं।

एक स्थानीय चैनल के मुताबिक इन मूर्तियों के ऊपर कई देवताओं के चित्र उत्कीर्ण हैं। यह सभी क्षतिग्रस्त मूर्तियां एक प्राचीन मंदिर का हिस्सा मानी जा रही हैं, जो दशकों पहले यहां मौजूद था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से रविवार को उज्जैन में फेमिना मिस इंडिया 2024 सुश्री निकिता पोरवाल ने भेंट की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्रकारों के मेधावी बच्चों का किया सम्मान

उज्जैन और देश-प्रदेश का नाम रौशन करें बच्चे

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की शिक्षा स्थली रही है। यहां अध्ययन का अलग ही महत्व है। उन्होंने कहा कि वे उज्जैन में पहली बार पत्रकारों के मेधावी बच्चों के सम्मान के कार्यक्रम में उपस्थित होकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने मेधावी बच्चों से खूब पढ़ने और उज्जैन के साथ ही मध्यप्रदेश और देश का नाम रौशन करने की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को सिटी प्रेस क्लब उज्जैन द्वारा आयोजित समारोह में पत्रकारों के 50 से अधिक मेधावी बच्चों का सम्मान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों को पुष्पमाला पहनाई और सम्मान पत्र प्रदान किया।

कार्यक्रम को सिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री शैलेंद्र कुल्मी ने संबोधित करते हुए इस अवसर को पत्रकारों और उनके परिवार को संबल बताया। इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश चेलावत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अल्प समय में प्रदेश में जो विकास कार्य प्रारंभ किए हैं, वह अद्वितीय हैं। उन्होंने कहा कि आज के युग में शिक्षित होने के साथ-साथ प्रशिक्षित होना भी आवश्यक है और जब पत्रकारों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते हैं, तो यह पूरी पत्रकार बिरादरी का सम्मान होता है।

कार्यक्रम में नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री संजय अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र भारती, श्री मुकेश यादव, श्री रवि सोलंकी, श्री दिनेश जाटवा उपस्थित रहे।

पंकज तिवारी को मिलेगा सर्वोत्तम पुरस्कार

नई दिल्ली। कवि, कलाकार एवं कला समीक्षक पंकज तिवारी को साहित्य एवं कला के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए सन 2025 का 'सर्वोत्तम सम्मान' प्रदान करने का फैसला किया गया है। यह सम्मान 'गऊ भारत भारती' की ओर से 6 अगस्त को इस्कॉन मंदिर के प्रांगण में दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर में जन्मे पंकज तिवारी पिछले 20 वर्षों से कला एवं साहित्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं। पंकज तिवारी के रचनाओं में गाँव है, संस्कार, संस्कृतियों का विशाल फलक है, जीवन और

मृत्यु के बीच का पूरा संसार है। पंकज तिवारी की अधिकतर कृतियों का शीर्षक भी हाफ लाइफ इन्हीं सब गुणों को देखकर रखा जाता जान पड़ता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक का पूरा सफर इनके कृतियों में नजर आ जाता है। अधिकतर गहरे रंगों का प्रयोग इनकी विशेषता है पर उससे भी बड़ी विशेषता उसी गहरे में से झांकते अंजोर को आतुर प्रकाश का भी प्रयोग है। गहरी, घनेरी और डरावनी रात के बाद सुबह की जो उम्मीद है वो इनके कृतियों में भी साथ झलकती है।

राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ, सहित गाजीपुर, बनारस, जयपुर, कानपुर सहित तमाम छोटी-बड़ी प्रदर्शनियों में इनके चित्र प्रदर्शित होते रहे हैं। राष्ट्रीय ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित पुराना किला पर भी कैम्प में इनकी सहभागिता रह चुकी है। एस. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली के तरफ से आयोजित रंग-तरंग कैंप में भी पंकज की सहभागिता होती रही है। आइफेक्स में भी इनका वर्क प्रदर्शित हो चुका है।

राहुल के आवास पर मिलेंगे इंडिया गठबंधन के बड़े नेता

मोदी सरकार के खिलाफ डिनर डिप्लोमेसी की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास पर इंडिया गठबंधन दलों की बैठक होनी है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि 7 अगस्त को डिनर पर विपक्षी नेता मिलेंगे। इस बैठक की घोषणा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के इस दावे के एक दिन बाद आई कि 2024 के आम चुनाव में करीब 70-80 सीटों पर हेरफेर हुआ होगा। बिहार में एसआईआर, महाराष्ट्र में मतदाता सूची में हेरफेर, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ की धमकी जैसे मुद्दों पर बैठक में चर्चा हो सकती है। संसद का मॉनसून सत्र शुरू के

बाद इंडिया गठबंधन की यह दूसरी बैठक है। इससे पहले, 19 जुलाई को वर्चुअल मीटिंग हुई थी। इसमें 24 सदस्य शामिल हुए जिनमें एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार, राजद नेता तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे प्रमुख रहे। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि विपक्षी दलों ने मॉनसून सत्र के दौरान कई मुद्दे लगातार उठाए हैं, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर पर पहले ही दोनों सदनों में 16 घंटे की मैराथन चर्चा हो चुकी है। बिहार में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है।

रीवा को मिली एक और नई ट्रेन की सौगात

<u>*रीवा से पुणे (हडपसर) ट्रेन का संचालन हुआ प्रारंभ</u>

***मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के बीच सामाजिक व आर्थिक संबंधों को मिलेगी मजबूती : उप मुख्यमंत्री शुक्ल**

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विन्ध्य क्षेत्र उन्नति और प्रगति की ओर सतत अग्रसर है। रीवा को 17वीं ट्रेन की सौगात मिली है। रीवा से पुणे (हडपसर) ट्रेन को रीवा रेलवे स्टेशन से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रेलमंत्री श्री अश्वनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअली ट्रेन को हरी झण्डी दिखाई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल रीवा में कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन से मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के बीच सामाजिक व आर्थिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम को रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी वर्चुअली संबोधित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा से पुणे ट्रेन के संचालन से रेल कनेक्टिविटी को गति मिलेगी और महाराष्ट्र की व्यावसायिक नगरी पुणे तक पहुंचना अधिक सरल और सुलभ हो जाएगा। विन्ध्य के व्यवसायियों, विद्यार्थियों तथा अन्य यात्रियों के लिए यह ट्रेन वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि ललितपुर-सिंगरौली ट्रेन मार्ग के बन जाने से रीवा मुख्य धारा में शामिल हो जाएगा और यह क्षेत्र विकसित क्षेत्र के तौर पर जाना जाने लगेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि ललितपुर-सिंगरौली रेलमार्ग के बन जाने पर रीवा विकसित रेलवे स्टेशन होगा और इस क्षेत्र का सम्पूर्ण विकास हो सकेगा।

सनातन धर्म ने बर्बाद कर दिया है अपना देश

● एनसीपी शरद के विधायक जितेन्द्र आव्हाड का विवादित बयान, बीजेपी ने लताड़ा

ठाणे (एजेंसी)। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया। सनातन धर्म नाम का कोई धर्म कभी था ही नहीं। इसकी विचारधारा विकृत है। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। उन्होंने आरोप लगाया- इसी तथाकथित सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्याभिषेक से वंचित रखा, छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया। इसके अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या की कोशिश की। आव्हाड ने कहा कि सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी गई। इसी सनातन धर्म ने शाहूजी महाराज की हत्या की साजिश रची। इसने डॉ. बीआर अंबेडकर को पानी पीने और स्कूल जाने तक नहीं दिया। आव्हाड ने ये भी कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ही थे, जो सनातन धर्म के खिलाफ उठे, मनुस्मृति को जलाया और उसकी दमनकारी परंपराओं को खारिज किया। आव्हाड का ये

बयान मालेगांव ब्लास्ट के सभी 7 आरोपियों को बरी किए जाने और भगवा आतंकवाद पर जारी राजनीतिक बहस के बीच आया है। महाराष्ट्र के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को धमाका हुआ था। इसमें 6 लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे। मालेगांव ब्लास्ट केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। 2011 में केस एनआईए को सौंप दिया गया था। महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस के सभी 7 आरोपी 31 जुलाई को बरी हो गए थे।

रिमांड पर हर्षवर्धन जैन ने उगले कई गहरे राज

22 लोग एसटीएफ के रडार पर, फर्जी राजदूत बनाने के लिए लेता था 1 करोड़

गाजियाबाद (एजेंसी)। यूपी एसटीएफ की पूछताछ में यह बात सामने आई कि खुद को राजदूत कहने वाला हर्षवर्धन जैन दूसरों को भी राजदूत बनाता था। वह पांच साल से इस काम में लगा था। इसके बदले वह 50 लाख से लेकर 1 करोड़ रुपये तक रकम लेता था। डिप्लोमैटिक नंबरों वाली गाड़ी से खुद को राजदूत बताकर रौब जमाता था। इस खेल में बड़ी संख्या में देश भर के काले कारोबार से जुड़े 22 लोगों का हवाला का पैसा भी लगा हुआ था। इसमें बड़ी संख्या में शेल कंपनियां बनाकर धनराशि को इधर-उधर किया गया। उसका नेटवर्क अमेरिका, सऊदी अरब समेत कई देशों में फैला हुआ था। हर्षवर्धन जैन की पांच दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एसटीएफ ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर मेडिकल कराने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। बताया गया कि रिमांड के दौरान हर्षवर्धन ने

एसटीएफ को पूछताछ में कई चौकाने वाली जानकारियां दी हैं। सूत्रों का कहना है कि जैन के साले और ससुर समेत 22 लोगों से पैसे का लेनदेन था। आरोपी दिल्ली एनसीआर ही नहीं मुंबई, गुजरात, चंडीगढ़ और चेन्नई समेत देश के विभिन्न हिस्सों में इसी प्रकार से फर्जी राजदूत बनकर न केवल फर्जी तरीके से धन का ट्रांजैक्शन कर करता था बल्कि कई अन्य तरह के अपराध में भी लिप्त था। आरोपी के साले और ससुर को एसटीएफ अपनी चार्जशीट में भी शामिल करेगी। 23 जुलाई को एसटीएफ ने पुलिस के साथ मिलकर कविनगर के बी ब्लॉक में हर्षवर्धन जैन के फर्जी दूतावास पर छापा मारा था। एसटीएफ से जुड़े सूत्रों के अनुसार हर्षवर्धन करीब 5 साल से इस धंधे से जुड़ा था। वह राजदूत बनाने के नाम पर ढाई सौ पॉन्ड की फीस समेत 50 लाख से 1 करोड़ रुपये वसूलता था। बताया गया कि इसकी जानकारी दिल्ली में खुफिया एजेंसी को मिली थी। उसने स्थानीय पुलिस से भी संपर्क किया, लेकिन कथित राजदूत से जुड़ा होने के कारण पुलिस कार्रवाई से बचती रही। रिमांड के दौरान आरोपी ने कई बड़े नाम लिए हैं। एसटीएफ जल्द उनके खिलाफ भी फाइल खोल सकती है।

'ट्रंप जो कह रहे हैं कहने दो की नीति' पर मोदी सरकार

बड़ा फैसला! दोस्त रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अभी भी रूस से तेल खरीद रहा है। सरकार ने तेल कंपनियों को ऐसा करने से मना नहीं किया है। कुछ लोगों का कहना है कि भारत को अपनी

ऊर्जा की जरूरतें पूरी करनी हैं। साथ ही, वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाराज किए बिना रूस से संबंध बनाए रखना चाहता है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए नाम न छापने की शर्त पर लोगों ने बताया कि रूस से तेल आयात रोकने पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी और प्राइवेट, दोनों तरह की तेल कंपनियां अपनी पसंद के स्रोत से तेल खरीद सकती हैं। तेल खरीदना उनका अपना फैसला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को भारत पर रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीदने के लिए नाराजगी जताई थी। उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैक्स लगाया और रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की धमकी भी दी। हालांकि, दो दिन बाद ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने 'सुना' है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा, और इसे 'एक अच्छा कदम' बताया।

● आयात रोकने पर फिलहाल नहीं लिया है कोई फैसला

भारत का कहना है कि वह बाजार और कीमत के हिसाब से तेल खरीदता है। पिछले हफ्ते तेल कंपनियों को रूस के अलावा दूसरे देशों से तेल खरीदने की योजना बनाने के लिए कहा गया था। ब्लूमबर्ग को सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अभी इस पर बात नहीं की है।

यूपी में ड्रोन से दहशत फैलाने वालों की अब खैर नहीं

● सीएम योगी ने गैंगस्टर और एनएसए लगाने का दिया आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गांवों से लेकर उत्तराखंड तक नीले लाइट वाले ड्रोन की दहशत पहुंच गई। ग्रामीणों का आरोप है कि चोर पहले ड्रोन से रेकी कर रहे, इसके बाद घर साफ कर दे रहे। कई गांवों में रात भर लोग हथियारों के साथ पहरा देते हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया

है। उन्होंने ड्रोन से दहशत फैलाने वालों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। पुलिस ने बिना इजाजत ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मेरठ पुलिस ने सोशल मीडिया पर ड्रोन कैमरों की वीडियो पोस्ट करने और अफवाह फैलाने के मामले में सख्ती बढ़ा दी है।

हरियाणा के 12 एमएलए अमेरिका के लिए रवाना

बोस्टन में आज से शुरू होगा विधायकी सम्मेलन

कांग्रेस के 7 भाजपा के तीन और एक इनेलो का

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के 12 विधायक (एमएलए) नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ स्टेट लेजिस्लेचर्स सम्मेलन में शामिल होने के लिए एकसाथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। रविवार तड़के करीब 3 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उनकी फ्लाइट ने उड़ान भरी। अमेरिका जाने से पहले कांग्रेस के विधायकों ने अपने समर्थकों के साथ फोटो सेशन भी करवाया। यह विधायकी सम्मेलन अमेरिका के बोस्टन में कल यानी, 4 अगस्त से शुरू होने जा रहा है जो 6 अगस्त तक चलेगा। नेशनल लेजिस्लेचर्स कॉन्फ्रेंस भारत की ओर से विधायकी सम्मेलन रखा गया है। इससे पहले भी यह संस्था इस तरह के सम्मेलन करवा चुकी है। इस सम्मेलन में पूरी दुनिया के एमएलए हिस्सा लेंगे। भारत से सबसे ज्यादा 24 राज्यों के 21 विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के 130 एमएलए ने निमंत्रण स्वीकार किया,इनमें 12 विधायक हरियाणा से हैं। सम्मेलन में दुनियाभर के 6 हजार से ज्यादा शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के लिए निमंत्रण दिया था, जिसमें बीजेपी,कांग्रेस और इनेलो समेत कुल 12 एमएलए शामिल हैं।

हैलो नितिन गडकरी के घर को बम से उड़ा दूंगा

● पुलिस कंट्रोल रूम में आया धमकी भरा फोन, मचा हड़कंप

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी शनिवार रात को आई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध उमेश राउत को हिरासत में लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि धमकी नशे में धुत एक व्यक्ति ने दी थी। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। शनिवार की रात नागपुर पुलिस कंट्रोल रूम को एक कॉल आया। कॉल करने

वाले ने नितिन गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी दी। इस धमकी के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने गडकरी के महाल और वर्धा रोड स्थित दोनों घरों की तलाशी ली। हालांकि उन्हें कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। कॉल के स्रोत की तलाश में विश्लेषण के माध्यम से पुलिस को पता चला कि कॉल कोतवाली क्षेत्र में एक किराए के मकान से आई थी। पुलिस मौके पर पहुंची और उमेश राउत को हिरासत में ले लिया। हालांकि उसने दावा किया कि उसके दोस्त ने कॉल किया था।

लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन पर शगुन के रूप में दी जायेगी 250 रूपये अतिरिक्त राशि : मुख्यमंत्री

उज्जैन की 'बेस्ट लाइफ स्टाइल' कम्पनी की बहनों ने बांधी मुख्यंमंत्री को राखी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की महिलाएं मेरी बहने हैं यह मेरा मान है, सम्मान है, बहनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 07 अगस्त को लाड़ली बहनों के खातों

- **मुख्यमंत्री का प्रदेश की लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन पर विशेष उपहार**
- **आने वाले समय में 4 हजार बहनों को मिलेगा कम्पनी में रोजगार**

में 250 रुपए की अतिरिक्त राशि रक्षाबंधन के शगुन के रूप में दी जायेगी, जो रक्षाबंधन पर भाई की तरफ से छोटा सा उपहार है। यह राशि प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रुपए से अतिरिक्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन की बेस्ट लाइफ स्टाइल कंपनी में वर्तमान में 1500 बहनों को रोजगार मिल रहा है। आने वाले समय में 4 हजार बहनों को रोजगार मिलेगा। इसके लिए सरकार कंपनी को नवीन जगह दे रही है, जहां बहनों के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध

होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बेस्ट लाइफस्टाइल कंपनी उज्जैन में कार्यशील बहनों द्वारा आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रतिभा सिंटेक्स भी 7 हजार से अधिक बहनों को रोजगार दे रही है और यह बहने अपनी कार्य कुशलता से ऐसे उत्पाद बना रही हैं, जो सीधे अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है। कंपनी ने 11 लाख यूनिट कपड़े बनाकर अमेरिका को निर्यात किये है, आने वाले समय में यह कंपनी 20 लाख यूनिट बनाकर निर्यात करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा एकसी कर्मशील बहनों के चरणों में प्रणाम है, बहनें मेरे लिए सब कुछ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के कपड़ा मिलो से पहले में 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलता था, वर्तमान में 20 हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है और आने वाले समय में यह संख्या लगातार बढ़ती जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की उद्योग धंधे उज्जैन में आ रहे हैं। निवेशक हमारे प्रदेश के प्रति आकर्षित हो रहे हैं, निवेश कर रहे हैं हमें रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं। यह देश-विदेश में हमारे लिए सम्मान की बात है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहने हमारे लिए ईश्वर की एक सौगात है। त्यौहारों का राजा रक्षाबंधन है, इस त्यौहार में बहने अपने भाइयों के लिए सब कुछ निछावर कर देती है। प्यार, सम्मान, दुलार और दूसरे परिवार में जाकर उनका सम्मान भी बढ़ाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी बहनों को इस बात का भी ध्यान रखना है कि यह कंपनी लगातार कार्य करती रहे और इस कंपनी में अपने समर्पण के साथ काम करें। इस कंपनी से हमें रोजगार मिलता है जीवन यापन का साधन मिल रहा है तो हमें भी समर्पण के साथ काम करना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार इस कंपनी की बहनों को 5 हजार रूपये प्रदान कर रही है ऐसी भी और कई योजनाएं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश सरकार और बेहतर काम करने के लिए प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कंपनी की बहनों ने राखी बांधी और तिलक लगाया। मुख्यमंत्री ने बहनों को उपहार प्रदान किए। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित हजारों की संख्या में लाड़ली बहने उपस्थित रही।

भारतीय रेलवे गढ़ रही है नए-नए कीर्तिमान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सहयोग के लिए माना आभार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नया भारत विश्व में अपनी अलग पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन और रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में रेलवे नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। भावनगर से अयोध्या नई एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत अत्यंत सुखद है। इससे भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के साथ संबंध का स्मरण भी हो रहा है। प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही दुनियाभर में भारत की पहचान बनी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस और रीवा-पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस के शुभारंभ कार्यक्रम में उज्जैन से वर्चुअली शामिल हुए और संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज रेल कनेक्टिविटी के मामले में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से सीधे जुड़ रहा है। जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस और रीवा-पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस के शुभारंभ से यात्रियों के साथ व्यापार-व्यवसाय और पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। बघेलखंड अंचल के रीवा में टाइगर सफारी और मैहर शक्तिपीठ की मां शारदा देवी के दर्शन सुलभ हो पाएंगे। इसी प्रकार संस्कारधानी जबलपुर और भेड़ाघाट आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। भारतीय रेलवे ने गत 11 वर्ष में उल्लेखनीय प्रगति की है। इलेक्ट्रिफिकेशन का शतप्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 2025-26 में 2 लाख 65 हजार करोड़ के बजट का प्रावधान रखा गया है। जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से पड़ोसी राज्य के साथ कनेक्टिविटी और बढ़ जाएगी।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का रेलवे के साथ भावनात्मक जुड़ाव है। यह देश के गरीब और मध्यम वर्ग के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन से केंद्र सरकार ने 10-11 वर्ष में रेलवे को आधुनिक बनाने के लिए संकल्प के साथ कार्य किए हैं। नई ट्रेनों की शुरुआत, आधुनिक कोच निर्माण और रेलवे स्टेशनों का जीर्णोद्धार रेलवे के अभूतपूर्व कार्य हैं। रीवा से पुणे की कनेक्टिविटी बढ़ रही है। जबलपुर और रायपुर के बीच नई ट्रेन से जनजातीय अंचल को लाभ मिलेगा। गत 11 साल में 34 हजार किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बनाए हैं। प्रतिदिन 12 किलोमीटर ट्रैक बिछाया जा रहा है और 1300 स्टेशनों का नव निर्माण किया जा रहा है, यह दुनियाभर के विकसित देशों में अपने आप में अलग स्थान रखता है। वंदेभारत जैसी नई ट्रेन चलाई जा रही हैं। देश में 8 अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू की जा चुकी हैं, इसमें वंदेभारत जैसी सुविधाएं कम किराये पर दी जा रही है।

नागरिकों को परिवहन की दृष्टि से प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा

केंद्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार मानते हुए कहा कि उनका सहयोग रेल नेटवर्क के विस्तार में निरंतर प्राप्त हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होने से कोई भी प्रकल्प अधिक समय लंबित नहीं रह पाता है। नए रेल संचालन के शुभारंभ कार्यक्रम में अनेक मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और नागरिक प्रत्यक्ष और वर्चुअल रूप से शामिल हुए। प्रारंभ हुई नई रेल सेवाओं से 4 राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के मध्य बेहतर रेल कनेक्टिविटी स्थापित होगी, जिसका इन चारों राज्यों के नागरिकों को परिवहन और व्यापार-वाणिज्य की दृष्टि से प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता, मेहनत और संघर्ष जरूरी है : डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सफलता शार्टकट से नहीं मिलती। सफलता पाने के लिए मेहनत और संघर्ष करके तपना पड़ता है। तभी इंसान का असली व्यक्तित्व सामने आता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना जिले के निवासी आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के संघर्ष से सफलता हासिल करने के कथानक पर आधारित फिल्म 12th Fail (12वीं फेल) को 71वें नेशनल फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म पुरस्कार का सम्मान मिलने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि यह हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि असफलता को मात देकर, कठोर परिश्रम से आईपीएस अधिकारी बनने तक श्री मनोज कुमार शर्मा का सफर युवाओं को लगन, परिश्रम व प्रयास से सफलता पाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने फिल्म निर्माण की पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी है।

10वीं की छात्रा ने फांसी लगाई

पिता को खाना देने के बाद कमरे में गई, दुपट्टे से फंदा बनाकर किया सुसाइड

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 10वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना अशोका गार्डन थाने के पीछे शेड इलाके की है। छात्रा के पिता मेहताब खान ने बताया, मैं शनिवार रात को काम से घर लौटा तो बेटी जिक्रा खान (18) ने मुझे खाना दिया। इसके बाद कुछ खरीदने के लिए मुझसे पैसे लिए। किराना दुकान से सामान लाने के बाद कुछ देर साथ बैठी। फिर घर के दूसरे रूम में चली गई। जब काफी देर तक नहीं निकली तो मैंने आवाजें दी, लेकिन जवाब नहीं मिला।

खिड़की से झांकने पर देखा तो बेटी दुपट्टे से बने फंदे पर लटकी हुई थी। गेट तोड़कर उसे नीचे उतारा। फिर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने भी चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रविवार दोपहर को पोस्टमार्ट्म के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जिक्रा का मोबाइल जब्त, सीडीआर खंगाल रही पुलिस- पुलिस ने युवती का मोबाइल जब्त कर लिया है। हालांकि सुसाइड से पहले उसने सोशल मीडिया पर भी किसी तरह की पोस्ट नहीं की है। पुलिस सीडीआर के आधार पर अधिक समय तक उससे कॉल पर संपर्क रखने वालों से भी पूछताछ करेगी।

इसी साल नए स्कूल में लिया था एडमिशन

जानकारी के मुताबिक, जिक्रा ने इसी साल दसवीं कक्षा में नए स्कूल में दाखिला लिया था। इससे पहले वह दूसरे स्कूल में पढ़ती थी। उसके पिता मेहताब ने बताया कि वो ऑटो ड्राइवर है। पत्नी इंडस्ट्रीयल एरिया की एक फैक्ट्री में जॉब करती है। जिक्रा उनकी दूसरे नंबर की बेटी थी। उससे बड़ी एक बेटी और छोटा बेटा है। 11 जुलाई को ही जिक्रा ने अपना 18वां जन्मदिन मनाया था।

सुसाइड के कारणों का खुलासा नहीं

टीआई अनुराग लाल ने बताया कि पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। जहां युवती ने सुसाइड किया, उस कमरे को सील कर दिया था। एफएसएल की टीम के साथ कमरे की सर्चिंग की जाएगी। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

भोपाल से अब हज के लिए नहीं मिलेगी सीधी फ्लाइट

मुंबई और इंदौर से होंगे रवाना ; राज्य हज कमेटी ने केंद्र सरकार को लिखा पत्र

भोपाल (नप्र)। साल 2026 की हज यात्रा के लिए भोपाल को एंबार्केशन प्वाइंट (ईपी) की सूची से बाहर कर दिया है। यानी अब राजधानी भोपाल से सऊदी अरब के लिए हज यात्रियों की सीधी उड़ानें नहीं चलेंगी। मध्यप्रदेश राज्य हज समिति ने इस संबंध में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय को पत्र भेजकर आपत्ति भी जताई है।

अब प्रदेश के हज यात्रियों को इंदौर या मुंबई से रवाना होना होगा। इस बार कुल 17 एंबार्केशन प्वाइंट तय किए गए हैं। हज-2025 में पूरे मध्यप्रदेश से करीब 8500 हज यात्री रवाना हुए थे, जिनमें भोपाल से लगभग 1200 लोग शामिल थे। इनमें से 320 यात्रियों को डायरेक्ट फ्लाइट भोपाल से मिली थी, जबकि बाकी लोग अपनी सुविधा के अनुसार मुंबई और अन्य एंबार्केशन प्वाइंट से रवाना हुए थे।

70 हजार अधिक खर्च करना पड़ता था

भोपाल से हज यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रति व्यक्ति औसतन 70 हजार रुपए अधिक खर्च करना पड़ता था। यही वजह रही कि बड़ी संख्या में यात्री भोपाल की बजाय मुंबई या इंदौर से जाने लगे। यही आर्थिक कारण भोपाल से डायरेक्ट हज फ्लाइट बंद होने की एक बड़ी वजह बना।

2010 में शुरू हुई थीं फ्लाइट्स, अब बंद

भोपाल से डायरेक्ट सऊदी फ्लाइट्स की शुरुआत वर्ष 2010 में हुई थी। शुरुआती वर्षों में यहां से करीब 14 उड़ानें रवाना होती थीं। लेकिन धीरे-धीरे संख्या घटती गई और 2025 तक यह घटकर सिर्फ 2 से 3 उड़ानों तक सीमित रह गई। यही प्रमुख कारण रहा कि अब भोपाल को पूरी तरह हटा दिया है।

8500 हाजियों में सिर्फ 1200 ही भोपाल से गए

साल 2025 में मध्यप्रदेश से करीब 8500 हज यात्री सऊदी गए थे, जिनमें लगभग 1200 यात्री भोपाल से रवाना हुए थे। लेकिन, इनमें से भी अधिकांश ने इंदौर और मुंबई जैसे अन्य एंबार्केशन प्वाइंट को चुना था। इसकी वजह भोपाल से फ्लाइट पकड़ने पर प्रति हाजी लगभग 70,000 का अतिरिक्त खर्च आ रहा था।

मध्यप्रदेश हज कमेटी ने जताई नाराजगी

भोपाल को हटाए जाने पर मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी ने केंद्र सरकार से पुनर्विचार की मांग की है। हज कमेटी के अध्यक्ष रफत वारसी ने मंत्रालय को पत्र भेजकर कहा कि भोपाल से फ्लाइट्स बंद करना लाखों हज यात्रियों की सुविधा पर असर डालेगा। पहले से तैयार इन्फ्रास्ट्रक्चर, अनुभव और व्यवस्थाओं को अनदेखा किया है।

इन 17 शहरों से हज-2026 में चलेंगी फ्लाइट्स

अहमदाबाद, बेंगलुरु, कालीकट, चेन्नई, कोचीन, दिल्ली, गया, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, जयपुर, कन्नूर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, श्रीनगर शामिल हैं।

युवक ने सल्फास खाकर सुसाइड किया

शराब के नशे में धुत होकर घर आया, परिजनों से विवाद के बाद खाई गोलियां

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अरेरा हिल्स इलाके में रहने वाले युवक ने सल्फास की गोलियां खाकर सुसाइड कर लिया। खुदकुशी से पहले वह शराब पीकर घर लौटा था। परिजनों ने उसे समझाइश दी तो उनसे विवाद किया और अपने कमरे में चला गया। काफी देर तक बाहर नहीं निकला तो पत्नी चेक करने पहुंची। जहां उसने पति को उल्टियां करता देखा। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान शनिवार की देर रात उसकी मौत हो गई। रविवार को हमीदिया की मर्चुरी में बॉडी का पीएम कराया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

लीला साहू के गांव पहुंचे पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के वीडियो पर सीधी सांसद को देनी पड़ी थी सफाई

भोपाल (नप्र)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू के गांव पहुंचे। उन्होंने यहां बनाई जा रही सड़क का निरीक्षण किया और गांव वालों से बातचीत की। यह वही सड़क का मामला है जिसे गर्भवती लीला साहू ने बनवाने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली थी। पोस्ट पर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा था कि किसी के पोस्ट डाल देने से सिस्टम नहीं चलता।

सीधी सांसद राजेश मिश्रा ने इसी मामले में कहा था कि जब लीला साहू के 9वां माह का समय आएगा तो हेलिकाप्टर से उठवा लेंगे। इसके बाद लीला साहू ने पिछले दिनों वीडियो जारी कर कहा था कि उनका नौवां महीना चल रहा है और सांसद से अनुरोध है कि हेलिकाप्टर भेज दें।

कांग्रेस ने लिखा, सरकार का ध्यानाकर्षण जरूरी

इसी मामले में एक्स पर किए गए ट्वीट में एमपी कांग्रेस ने लिखा है कि पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया ने सीधी जिले के ग्राम खड्डी खुर्द पहुंचकर लीला साहू से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने परिवारजनों से संवाद कर ग्राम में चल रहे सड़क मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल भैया ने बहन की मांग पर सड़क की पहल कर आज ग्रामीण महिलाओं से भेंट की।

देशभर में चर्चा में आई थी यह सड़क

देश और प्रदेश में चर्चा का विषय बनी इस सड़क के मामले में राजनीतिक बयानबाजी के बीच पिछले माह चुरहट विधायक अजय सिंह ने इसके लिए राशि जारी कर सड़क की मरम्मत कराने को कहा था और उनके प्रयास के बाद सड़क की मरम्मत भी होने लगी है। इस बीच शनिवार को वे उस गांव में पहुंचे और वहां के लोगों से बात की। हालांकि अब इस सड़क को बनवाने के लिए सीधी सांसद ने भी राशि मंजूर करा ली है। इसकी जानकारी पिछले दिनों उन्होंने भोपाल में मीडिया से चर्चा में दी थी।

इस बीच आज एक्स पर किए गए ट्वीट में अजय सिंह ने कहा कि यह एक छोटा सा प्रयास, उस आवाज़ को और बड़ा करने के लिए है, जिसने बताया कि मूलभूत समस्याएं कितनी विषम परिस्थितियां पैदा कर सकती हैं। अब सरकार की पहल का इंतजार है। देखना होगा कि प्रदेश की सोई हुई भाजपा सरकार के लिए यह बात कितना मायने रखती है।

एम्स भोपाल के हैप्पीनेस सेंटर से छात्रों और मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव

भोपाल। एम्स भोपाल, अपने कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में समग्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में दिनांक 4 अगस्त 2023 को 'सेंटर ऑफ हैप्पीनेस, एम्स भोपाल' की स्थापना की गई, जिसने अब तक छात्रों, शिक्षकों, पुराने रोगों से पीड़ित मरीजों और उनके देखभालकर्ताओं के लिए कई महत्वपूर्ण 'हैप्पीनेस आधारित कार्यक्रम' आयोजित किए हैं। एमबीबीएस सत्र अगस्त 2023 के पहले वर्ष के छात्रों के लिए फाउंडेशन कोर्स के दौरान आयोजित परिचयात्मक कक्षा में विद्यार्थियों को प्रसन्नता के महत्व से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, 'हैव द करेज टू बी हैप्पी द थिएटर ऑफ द ओप्रेस्ड' नामक एक रोचक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने शारीरिक भाषा और नाट्यशैली के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति और भावनात्मक समस्याओं से निपटने की विधा सीखी। यह तकनीक विश्व स्तर पर समुदायिक शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के लिए प्रयुक्त होती है। सेंटर ने बचपन के कैंसर से पीड़ित बच्चों, उनके देखभालकर्ताओं और ब्रेस्ट कैंसर से उबर चुकी महिलाओं के लिए भी विशेष हैप्पीनेस सत्र आयोजित किए। ये कार्यक्रम उनके मानसिक तनाव को कम करने और भावनात्मक संबल प्रदान करने में सहायक सिद्ध हुए।

इसी श्रृंखला में, सेंटर ऑफ हैप्पीनेस द्वारा 'हैप्पीनेसः द फॉरगॉटन ऐस्पेक्ट एंड द साइंस ऑफ हैप्पीनेस' विषय पर एक सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आईआईटी खड़गपुर के रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर साइंस ऑफ हैप्पीनेस के चेयरमैन डॉ. सतिंदर सिंह रेखी द्वारा 'हू इज रनिंग योर लाइफ - यू और योर मंकी ब्रेन' विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने सकारात्मक सोच के महत्व और उसके जीवन तथा कार्य प्रदर्शन पर प्रभाव को रेखांकित किया। इस अवसर पर एम्स भोपाल के सेंटर ऑफ हैप्पीनेस और रेखी फाउंडेशन ऑफ हैप्पीनेस के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर भी हुए, जो आगे चलकर अकादमिक सहयोग को मजबूती देगा और प्रसन्नता के वैज्ञानिक अध्ययन को बढ़ावा देगा।

एम्स भोपाल में सेंटर ऑफ हैप्पीनेस के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा– चिकित्सक, मेडिकल छात्र और पैरामेडिक्स अत्यधिक मानसिक तनाव में कार्य करते हैं।

प्रसन्नता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण उन्हें आत्मबल प्रदान करता है, आशावादी दृष्टिकोण विकसित करता है और उनके जीवन व कार्य में संतुलन लाता है। यह पहल न केवल समय की मांग है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी है। कार्यपालक निदेशक ने इस तरह के शैक्षणिक एवं मनोवैज्ञानिक विकास पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना की।

एम्स भोपाल द्वारा 'वन स्टेट, वन हेल्थ इमरजेंसी मेडिसिन' पहल से प्रदेश में समान आपात चिकित्सा सेवा सुनिश्चित

कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में एम्स भोपाल स्वास्थ्य सेवा में नवाचार और सुधार की दिशा में लगातार अग्रसर है। इसी दिशा में संस्थान 'वन स्टेट, वन हेल्थ इमरजेंसी मेडिसिन' पहल के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका उद्देश्य मध्यप्रदेश के सभी अस्पतालों में चाहे वे किसी भी क्षेत्र या आकार के हों आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को एक समान बनाना है। यह पहल सुनिश्चित करती है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले सभी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली आपातकालीन देखभाल प्राप्त हो सके। उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप उपचार प्रोटोकॉल को मानकीकृत कर यह कार्यक्रम पूरे राज्य में आपातकालीन प्रतिक्रिया में एकरूपता लाता है और स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता को कम करता है। इस पहल के अंतर्गत, एम्स भोपाल ने हाल ही में एक आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन किया, जिसमें स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सा छात्रों को वास्तविक आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया है। इस अभ्यास का उद्देश्य संकट की घड़ी में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करना था। 'वन स्टेट, वन हेल्थ इमरजेंसी मेडिसिन' पहल का उद्घाटन पिछले वर्ष मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी द्वारा किया गया था।

संपादकीय

नदियों में घटते प्रवाह का डर

मानसून के इस मौसम में जहां देश की ज्यादातर नदियां उफान पर हैं और कई राज्य बाढ़ का सामना कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एक ताजा वैज्ञानिक अध्ययन में बताया गया है कि वर्ष 2100 तक यानी अगली सदी में दुनिया की 40 फीसदी नदियों में पानी का प्रवाह चिंताजनक स्तर पर घट सकता है, जिससे 85 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। इस सूची में दुनिया भर की 30 सबसे बड़ी नदी घाटियों को शामिल किया गया है। जिसमें भारत की गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां शामिल हैं। यह शोध अध्ययन नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर एक्सपीरियंसल एआई के शोधकर्ताओं ने किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर मौजूदा प्रदूषण और उत्सर्जन की स्थिति जारी रही, तो इस सदी के अंत तक दुनिया की 40 फीसदी बड़ी नदियों में पानी का बहाव कम हो जाएगा। इसका असर करीब 85 करोड़ लोगों पर पड़ेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि नए जलवायु मॉडल पुराने के मुकाबले ज्यादा सही अनुमान दे रहे हैं, जिससे नदियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।शोध में कहा गया है कि यह पृथ्वी प्रणाली मॉडलों के पिछले विश्लेषण द्वारा अनुमानित संख्या से तीन गुना से भी अधिक है। इस शोध के अनुसार, कुछ सबसे उन्नत मॉडल पानी की कमी को लेकर सबसे खराब हालात का अनुमान लगाते हैं। जनसंख्या से जुड़े अनुमान इसलिए जरूरी हैं क्योंकि इन्हीं के आधार पर नीति निर्माता तय करते हैं कि भोजन, पानी और ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाने होंगे। नदियों का पानी खेतों की सिंचाई करता है और बिजली बनाने में भी मदद करता है। अध्ययन में बताया गया है कि पृथ्वी प्रणाली मॉडल ऐसे जटिल कंप्यूटर सिमुलेशन हैं जो धरती की प्रक्रियाओं, जैसे मौसम, महासागर और मानव गतिविधियों को मिलाकर भविष्य का अनुमान लगाते हैं। इन मॉडलों के अनुसार, दुनिया की 30 बड़ी नदियों में से 40 फीसदी में 2100 तक पानी का बहाव घट सकता है। इससे जितनी आबादी प्रभावित होगी, वह न्यूयॉर्क शहर से 100 गुना बड़ी होगी। पहले यह अनुमान लगभग 26 करोड़ लोगों का था, लेकिन अब यह संख्या कहीं ज्यादा बताई जा रही है। एनपीजे क्लाइमेट एंड एटमॉस्फेरिक साइंस पत्रिका में प्रकाशित शोध पत्र के मुताबिक इस अध्ययन में दुनिया भर की 30 सबसे बड़ी नदी घाटियों को चुना गया, जिनमें अमेजन, कांगो, गंगा, ब्रह्मपुत्र और नील नदियां शामिल हैं। शोधकर्ता यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि इन नदी घाटियों में बहाव या जल उपलब्धता, जलवायु मॉडलों में कैसे प्रस्तुत की जाती है। जलवायु मॉडल इन बदलावों का अनुमान लगाने के लिए अलग-अलग समीकरणों और मापदंडों का इस्तेमाल करते हैं। शोध में यह देखने की कोशिश की गई है कि ये कितने कारगर हैं। शोधकर्ताओं ने युग्मित मॉडलिंग अंतर-तुलना परियोजनाओं की दो पीढ़ियों, सीएमआईपी5 और हाल ही की सीएमआईपी6, की तुलना यह देखने के लिए की कि 1960 से 2005 तक के सालाना बहाव के ऐतिहासिक अनुमानों के मुकाबले उनका प्रदर्शन कैसा रहा। बाद वाली मॉडलिंग प्रणाली, सीएमआईपी6, अधिक कुशल और सटीक पाई गई। इसे भविष्य पर लागू करते हुए, पाया गया कि अधिक कुशल मॉडल पानी की उपलब्धता के संदर्भ में भविष्य की स्थिति को और भी बदतर बना रहे हैं। यह शोध नीति निर्माता और जल संसाधन प्रबंधक जो प्रभावों को समझने और अनुकूलन की जानकारी देने के लिए पृथ्वी प्रणाली मॉडल के परिणामों का उपयोग करते हैं, उनके लिए अहम है। साथ ही प्राकृतिक वैज्ञानिक, डेटा वैज्ञानिक और कम्प्यूटेशनल मॉडलर जो पृथ्वी प्रणाली मॉडल बनाते हैं और परिणामों का विश्लेषण करते हैं उनके लिए भी महत्वपूर्ण है। लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया इन चेतावनियों को गंभीरता से ले रही है?

अंधविश्वास के जरिए खत्म हो रहा विवेक

मुझे स्मरण है कि सन् 1985-86 के समय स्व. जार्ज फर्नांडिस और मैं छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे। अकलतरा नामक कस्बे में एक कारखाने की मशीन कई दिनों से बंद थी,ठीक नहीं हो रही थी। सीमेंट कारखाने की इस मशीन को ठीक करने जानकार आ रहे थे पर वह ठीक नहीं हो पा रही थी। वहां के चीफ इंजीनियर ने पूजा कर गेट पर नींबू मिर्च आदि लटका दिए थे। अगर एक शिक्षित इंजीनियर इतना अतार्किक है कि वह नींबू काटकर मशीन ठीक कर रहा है, तो फिर तकनीकी या वैज्ञानिक शिक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता। अगर मंत्र उपचार या पूजा पाठ में इतनी ही शक्ति है तो फिर वह इन यंत्रों का प्रयोग भारत की सीमाओं की रक्षा, आतंकवाद से मुक्ति, भ्रष्टाचार व अपराधों से मुक्ति या बुराइयों से मुक्ति के लिए क्यों नहीं करते?

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

कहने को भारत 21वीं सदी में प्रवेश कर चुका है और तकनीक के विकास में अंतरिक्ष में पहुंच रहा है। अर्थव्यवस्था के मामले में बताया जा रहा है कि भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और यहां तक की जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ा है। परंतु भारत का दूसरा भी पक्ष है कि यहां आज भी अंधविश्वास चरम पर है। पिछले कुछ दिनों में जो घटनाएं मीडिया के माध्यम से सामने आई हैं, वह देश के विकास के एकांकी चेहरे का खुलासा करती है। बिहार के पूर्णिया जिले के एक गांव में इस शक में की एक महिला डायन है बच्चों को तंत्र-मंत्र से मारती है। उसके परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई। दूसरी एक और घटना मीडिया में आई है ,जहां एक व्यक्ति को बीमारी से बचाने के लिए एक नौजवान की नरबलि दे दी गई। नरबलि की पुष्टि इसलिए हुई की लाश के पास गला कटा हुआ,नींबू और पूजा पाठ का सामान पाया गया। ऐसी और भी कितनी घटनाएं आए दिन अखबारों में छपती हैं और जो कुछ ही दिनों में समाज के मस्तिष्क से उड़ जाती है।

अभी भी कई जगह महिलाएं अपने पारंपरिक अंधविश्वास के चलते पति की मृत्यु के बाद चिता पर जलकर सती हो जाती है। समाज और खासकर पुरुष मानसिकता इनको सती देवी का रूप बताता है और उनके मंदिर बनाकर पूजा करता है,तथा इस प्रकार पुरुषवादी मानसिकता को कायम रखता है। अगर पतिव्रता सिद्ध होने के लिए पति की मृत्यु पर पत्नी की मौत जरूरी है तो फिर यह कसौटी पुरुष समाज पर भी लागू होनी चाहिए कि पत्नी की मृत्यु पर पुरुष भी अपने आप को पत्नीव्रता सिद्ध करें और सता हो। यद्यपि पिछले कुछ वर्षों में सती प्रथा कम हुई है और सरकार ने भी सामूहिक रूप से इन घटनाओं के दर्शक समाज को अपराधी मानकर कानूनी कार्रवाई शुरू की हैजिससे कुछ भय पैदा हुआ है। प्रश्न यह है कि आखिर हमारी शिक्षा समाज को क्या दे रही है? क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल अक्षर ज्ञान देना है? क्या केवल अर्थोपार्जन के लायक बनाना है? या फिर ऐसा सभ्य या वैज्ञानिक प्रवृत्ति का इंसान बनाना है,जो अंधविश्वास या कुरीतियों से मुक्त हो सके। पर आज समाज में प्रगतिशील होने की कसौटी क्या है? केवल तकनीकी सुविधाओं को भोगने की क्षमता या विश्वविद्यालय की डिग्रियां ही प्रगतिशीलता है। या फिर पांच सितारा संस्कृति, भोग और तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल ही प्रगतिशीलता है। मेरी राय में प्रगतिशीलता की कसौटी वैज्ञानिक प्रवृत्ति होना चाहिए। जिस प्रकार हमने मशीनों के इस्तेमाल में उपयोगिता के आधार पर नई तकनीक विकसित की है,उसी प्रकार परंपराओं को समय काल के परिवर्तन के अनुसार समता और मानवता के आधार पर परंपराओं का पुनः निर्धारण करना चाहिए। जो ऐसी परंपराएं हैं जिनका औचित्य न कभी पहले था ना अब है और शायद पहले कभी रहा हो पर अब तो नहीं ही है,उन्हें समाप्त करना चाहिए।

समूची दुनिया में लोगों ने ऐसी कुरीतियों और अंधविश्वास को छोड़ा है। अफ्रीकी भूभाग के देश जो आदिवासियों, अशिक्षा व अंधविश्वास के देश थे वहां भी भारी मानसिक परिवर्तन आए हैं। अफ्रीकी देशों में अब ऐसी घटनाएं जो अंधविश्वास की हैं लगभग समाप्त हो गई हैं। परंतु भारत परंपराओं के मामले में आगे की बजाय पीछे जा रहा है। मेरे एक मित्र हैं जो वे मंत्र से बिच्छू का जहर उतरते हैं। आजकल उनकी शोहरत हो गई है कि अब टेलीफोन पर ही मंत्र पढ़ देते हैं और बिच्छू का प्रभाव कम हो जाता है। दरअसल यह भी अंधविश्वास का दूसरा पहलू है, कि जहां व्यक्ति को इस मंत्र के प्रति अगाध श्रद्धा है। मंत्र के पढ़े जाने के बाद वह मानसिक रूप से अपने आप को विष व दर्द से मुक्त महसूस करने लगता है। कई दशक पहले मेरे बड़े भाई का बड़ा बेटा जिसका नाम रविंद्र सिंह था ,उसे घर में सफाई करते हुए सांप ने काटा। उस समय के मीडिया में लगभग 8-10 सांप के काटे लोगों की खबर अखबारों में एक साथ छपी थी। मेरे बड़े भाई और परिजनों का और उनका ही नहीं उस समय जितनों को सांप ने काटा था उन सभी के परिजनों का गहरा विश्वास मंत्र शक्ति में था। डॉक्टर ने बताया वह व्यक्ति जिंदा नहीं है फिर भी 7 दिनों तक कई लोग लाश को घर में रखे रहे।बाहर से जहर उतारने वाले गुनिया को बुलाने लगे। ऐसी ऐसी झूठी खबरें फैली थी की एक व्यक्ति को सांप का जहर उतारने राष्ट्रपति ने चिन्हित किया है रेल द्वारा भेजा जाता है आदि आदि। इसके बाद भी सांप द्वारा काटे हुए लोगों में कोई नहीं बचा। ग्रामीण अंचलों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में हजारों बिच्छू या सर्पदंश से पीड़ित लोग मंत्रों पर निर्भर है। यह उनकी मानसिक और सुविधाओं के अभाव की लाचारी है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी शिक्षा पद्धति के लिए समय अनुकूल बनाने की पहल करें। विज्ञान की शिक्षा के साथ-साथ वैज्ञानिक मानस यानी तार्किक मानस बनाने की भी शुरुआत करें। अभी तो स्थिति यह है कि वैज्ञानिक केन्द्रों की स्थापना के समय या नई तकनीकी उपकरणों की स्थापना के समय अपवाद छोड़कर,स्वतः वैज्ञानिक भी पूजा कराते हैं । क्या यह विज्ञान से मेल खाता है विज्ञान का तात्पर्य तार्किकता है। और अंधविश्वास अतार्किक होता है।

मुझे स्मरण है कि सन 1985-86 के समय स्व. जार्ज फर्नांडिस और मैं छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे। अकलतरा नामक कस्बे में एक कारखाने की मशीन कई दिनों से बंद थी,ठीक नहीं हो रही थी। सीमेंट कारखाने की इस मशीन को ठीक करने जानकार आ रहे थे पर वह ठीक नहीं हो पा रही थी। वहां के चीफ इंजीनियर ने पूजा कर गेट पर नींबू मिर्च आदि लटका दिए थे। अगर एक शिक्षित इंजीनियर इतना अतार्किक है कि वह नींबू काटकर मशीन ठीक कर रहा है, तो फिर तकनीकी या वैज्ञानिक शिक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता। अगर मंत्र उपचार या पूजा पाठ में इतनी ही शक्ति है तो फिर वह इन यंत्रों का प्रयोग भारत की सीमाओं की रक्षा, आतंकवाद से मुक्ति, भ्रष्टाचार व अपराधों से मुक्ति या बुराइयों से मुक्ति के लिए क्यों नहीं करते? दतिया के हमारे साथी थे श्री कंठमणि बुधौलिया जो एडवोकेट थे। 60 के दशक में एक बाबा जी आए थे जो हाथ से लौंग या सुपारी पैदा करते थे। उनके चमत्कार के प्रभाव में हजारों स्त्री पुरुष दर्शन करने आते थे। श्री कंठमणी बुधौलिया पक्के समाजवादी थे। वे जानते थे कि सुपारी का खेल चालाक कौशल है । उन्होंने एक दिन बाबा जी को पत्र भेजा कि यह लौंग सुपारी सस्ती है,हम खरीद लेंगे। असल में देश को यूरेनियम की आवश्यकता है,वह निकालिए वरना आपके समक्ष मैं धरना दूंगा। श्री बुधौलिया ने यह समाचार अखबार वालों को भी दे दिया। अखबारों ने इसे प्रमुखता से छापा। समाचार छपते ही उसी रात में बाबा जी चुपचाप दतिया छोड़ कर चले गए। समाज के प्रगतिशील व शिक्षित लोगों को कुपरंपराओं से टकराना चाहिए। मुझे याद है की सन 1976 में जब मैं इंदौर जेल में आंतरिक सुरक्षा कानून में निरुद्ध था तब अखबारों में एक खबर प्रमुखता से छपी थी। पुट्टापर्थी के साईं बाबा हाथ से राख निकालते थे जिसे लोग पवित्र भभूत मानते थे। उन्हें यह बचपन से परिवार बनाया गया था कि भभूत से आदमी का रोग ठीक हो सकता है। पुट्टापर्थी के साईबाबा का सारे देश में यही प्रचार था। जहां जाते हजारों लोग जमा होते, बड़े-बड़े पैसे वाले नौकरशाह उनके भक्त थे। हालांकि बड़ा कारण यह भी था कि तत्कालीन सत्ता केंद्र से उनके संपर्क थे। महाराष्ट्र की एक संस्था अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति है। जिसके राज्य के पदाधिकारी श्री श्याम मानव थे ने उन्हें चुनौती दी कि वे लोग उनके पास आएंगे भारी भीड़ में उनकी तलाशी लेंगें। इसके बाद भी वे भभूत निकाल देंगे तो उनके देवत्व पर विश्वास करेंगे। दरअसल होता यह था कि साईबाबा अपने कुर्ते के अंदर एक धागा से राख की पुड़िया बांधते थे। जैसे ही वह खींचते धागा टूटता और भभूत हाथ में आ जाती थी। समिति वालों ने नागपुर कलेक्टर को पत्र लिखकर अपने उद्देश्य की जानकारी दी । सांईबाबा तलाशी को तैयार नहीं थे, वे नागपुर छोड़कर चले गए। ऐसे कितनी ही घटनाएं मेरी जानकारी में है। परंतु यह दुखद है कि व्यापक समाज इन अंधविश्वासों में फंसा हुआ है। मेरी राय में सरकार को चाहिए कि स्कूल कॉलेज विश्वविद्यालय में एक कोर्स शुरू हो जिसमें अंधविश्वास कुरीतियों की असलियतों का विद्यार्थियों को बोध कराया जाए।

इन कुप्रथाओं अंधविश्वासों का प्रभाव भारतीय लोकतंत्र पर भी पढ़ने लगा है। भारतीय लोकतंत्र व मतदाता इनके प्रभाव में आकर मतदान करता है तथा ऐसे व्यक्तियों को सत्ता सौंप देता है जो उनका मानसिक व भौतिक शोषण करते हैं। आजकल गांव तो छोड़िए शहरों व महानगरों में भी कथाओं का दौर चल रहा है। हालत यह हो गई है की कथा वाचक टेलीफोन डायरेक्टरी से हिंदू मतदाताओं के फोन निकाल कर कथा कराने प्रेरित करते हैं। एक दिन में दिल्ली दफ्तर में था तब एक कथा वाचक का फोन आया और उन्होंने कहा की ठाकुर साहब आप कथा करा लीजिए। आपकी कथा की क्या लागत है मेरे यह पूछने पर उन्होंने कहा की 10000 से 1 लाख तक की कथा करता हूं। इन कथाओं में कई कई दिन तक भंडारे चलते हैं ,जहां अशिक्षित ,गरीब ,अज्ञानी लोग प्रसादी के नाम पर खाना खाते हैं। जो कथा कराने वाले होते हैं, कथावाचक उनको महान दानदाता, धार्मिक, महान पुरुष आदि कई प्रकार की उपाधियां दे जाते हैं। जिससे उन्हें वोट का राजनीतिक लाभ मिलता है। कथा का यह व्यापार देश में दूर-दूर तक फैल गया है। तथा एक खाते पीते समाज के लिए बदलाव के लिए पुरुषार्थ करना सिखाने के बजाय ईश्वरी शक्ति के हवाले छोड़ देने का रास्ता बता रहा है। देश व दुनिया की पूंजीवादी व्यवस्था के विरुद्ध क्रांति को रोकने का यह सबसे अच्छा उपाय है। वे समस्याएं जिन्हें व्यवस्था पैदा करती है कथा वाचक उन्हें ईश्वर का विधान बताता है। उन समस्याओं का हल जो राजनीति को करना चाहिए, वह ईश्वर पर छोड़ देता है और धीरे-धीरे व्यक्ति पुरुषार्थ विहीन, चेतना विहीन अंधविश्वासी मतदाता बन जाता है।

भ्रष्ट नौकरशाह भी इन कथाओं के लिए दिल खोलकर सहयोग करते हैं और धर्मात्मा होने का प्रमाण पत्र ले लेते है। यह ऐसा चक्र बन गया है जिसमें पूंजी पति व्यापारी, नौकरशाह, सत्ता पिपासु राजनेता और धर्म के ठेकेदार, बाबा, अपवाद छोड़कर अधिकांश शामिल रहते हैं। अमूमन यह बाबा अपार संपत्ति के मालिक होकर सोने से लदे रहते हैं। और आजकल मंदिरों के प्रचार में यह भी प्रचारित किया जाता है कि प्रतिमा पर हीरा मोती सोना चांदी चढ़ा हुआ है। मैं नहीं मानता की वास्तविक भगवान कभी भ्रष्टाचार चोरी और शोषण के जेवरात को स्वीकार करेंगे? यह तो एक प्रकार से भगवान को बदनाम करने का षड्यंत्र है। आजकल अपवाद छोड़कर अधिकांश बाबा लोग पैसा देकर मीडिया में प्रचार करते हैं । लाखों करोड़ों रुपए में भव्य पंडाल बनते हैं। सत्ता प्रतिष्ठान के मंत्रियों अफसरों को बुलाकर फोटो खिचवाते हैं, अपने आश्रमों में उन चित्रों को लगाते हैं और कई तो बाद में सत्ता और पूंजीपति के बीच रिश्ते बनाते हैं और सौदा पटाने का काम करते हैं। देश के ऐसे धर्म के ठेकेदारों से भी मैं कहना चाहता हूं कि दुनिया में इन ही कारणों से नई पीढ़ी के एक हिस्से का विश्वास ईश्वर से उठ रहा है और वह नास्तिक बन रही है। अमेरिका और यूरोप में एक बड़ी संख्या नास्तिक लोगों की तैयार हो रही है जो ईश्वर के अवतार को नकारती है। आज भले ही लोग या युवा पीढ़ी अंधविश्वास या मुफ्त खाने के लालच में तथाकथित धार्मिकता के जाल में फंसे हों परंतु जल्दी ही उनका मोह भंग होगा। यह स्थिति हिंदू, मुस्लिम, जैन, ईसाई आदि लगभग सभी समाजों की है।

इसलिए अब समय है कि हम शिक्षा को वैज्ञानिकता की ओर ले जाएं। कालवाह्य और कुप्रथाओं को छोड़े और एक वैज्ञानिक मस्तिष्क का प्रगतिशील समाज बनाएं।

निसार-अंतरिक्ष से धरती की सुरक्षा का प्रहरी

उपलब्धि

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

धरती निरंतर बदल रही है- कभी भूकंप की थरथराहट, कभी बाढ़ का उफान, कभी जंगलों का सिमटना तो कभी ग्लेशियरों का पिघलना। इन बदलावों को समझना और समय रहते उनका सामना करना मानवता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। इसी दिशा में भारत ने नासा के साथ मिलकर इतिहास रचते हुए 'निसार' सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट के जरिए किया गया है। अंतरिक्ष से धरती की हर हलचल पर नज़र रखने वाला यह उपग्रह आपदाओं के समय उम्मीद की नई किरण बनेगा। यह न केवल वैज्ञानिक शोध और पर्यावरण संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि जीवन और प्रकृति की रक्षा का सशक्त प्रहरी साबित होगा।

'निसार' यानी नासा-इसरो सिंथेटिक एपेर्चर राडार एक उन्नत सैटेलाइट है, जो पृथ्वी के हर छोटे-बड़े बदलाव पर नज़र रखने में सक्षम है। यह 747 किलोमीटर की ऊंचाई से लगातार पृथ्वी की सतह को स्कैन करेगा और होने वाले परिवर्तनों का वास्तविक समय में पता लगाएगा। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह आपदाओं के आने से पहले ही उनके संकेत पकड़ने में सक्षम होगा। उदाहरण के लिए, भूकंप या सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं से पहले धरती में होने वाले हल्के बदलावों को यह सटीकता से माप सकेगा। इस सैटेलाइट का 12 मीटर लंबा गोल्ड प्लेटेड एंटीना इसे और भी खास बनाता है। इसकी मदद से यह विशाल क्षेत्र में एक साथ डेटा इकट्ठा कर सकता है। राडार इमेजिंग तकनीक से लैस यह उपग्रह बादलों या रात के अंधेरे में भी स्पष्ट तस्वीरें भेजने में सक्षम है। यह क्षमता आपदा प्रबंधन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, कृषि, जल संसाधन प्रबंधन और वैज्ञानिक अनुसंधान में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

निसार का सबसे बड़ा योगदान आपदाओं के समय चेतावनी प्रणाली को और मजबूत करना होगा। भूकंप, भूस्खलन, जंगल की आग, बाढ़ या सूखा जैसी घटनाओं से पहले धरती की सतह में जो सूक्ष्म बदलाव आते हैं, उन्हें निसार तुरंत पकड़ सकेगा। इससे न केवल समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकेगा, बल्कि आपदा से होने वाले नुकसान को भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा। यह उपग्रह 'भूकंपीय भविष्यवक्ता' की तरह काम करेगा। भूकंप आने से पहले धरती की परतों में होने वाले सूक्ष्म उतार-चढ़ावों का विश्लेषण कर यह शुरुआती चेतावनी देगा। इसी तरह जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्रों का बढ़ता स्तर, ग्लेशियरों का पिघलना या किसी क्षेत्र में जमीन धंसने जैसी घटनाओं को यह उपग्रह पहले से पहचानकर सचेत कर सकेगा।

निसार केवल आपदाओं तक सीमित नहीं रहेगा। यह सैटेलाइट जंगलों की सेहत, भूमि उपयोग में हो रहे बदलाव और प्राकृतिक संसाधनों की स्थिति की निगरानी में भी अहम भूमिका निभाएगा। उदाहरण के लिए, वनों की कटाई, रेगिस्तानीकरण या अतिक्रमण जैसी समस्याओं का पता यह सटीकता से लगाएगा। इससे पर्यावरण संरक्षण की योजनाओं को बेहतर दिशा मिलेगी। इसके अलावा वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में भी यह एक वरदान साबित होगा। नदियों, पर्वतों, महासागरों और ग्लेशियरों में समय के साथ आने वाले परिवर्तनों का अध्ययन करना, पृथ्वी की संरचना और जलवायु परिवर्तन को समझना, तथा वैश्विक तापन के प्रभावों का पूर्वानुमान लगाना–इन सभी क्षेत्रों में निसार से प्राप्त आंकड़े अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगे।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए निसार का योगदान बहुमूल्य होगा। यह सैटेलाइट खेतों में नमी के स्तर, सिंचाई व्यवस्था और फसल की स्थिति की निगरानी कर किसानों को उपयोगी जानकारी देगा। सूखा या बाढ़ की आशंका होने पर पहले से चेतावनी मिल सकेगी, जिससे किसान समय रहते अपनी रणनीति बदल सकेंगे। इसके अलावा, भूजल स्तर और नदियों के प्रवाह में हो रहे बदलावों का पता लगाकर जल संसाधन प्रबंधन को भी बेहतर बनाया जा सकेगा।'निसार' का सफल प्रक्षेपण भारत के लिए गर्व का क्षण है। यह दुनिया का पहला ऐसा सैटेलाइट है, जो एक साथ रु-बैंड और S-बैंड राडार का उपयोग करता है। इससे इसकी सटीकता और कार्यक्षमता दोनों बढ़ जाती हैं। यह पूरी तरह से 'नासा-इसरो सिंथेटिक एपेर्चर राडार' तकनीक पर आधारित है, जो पारंपरिक कैमरों की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट और विस्तृत डेटा उपलब्ध कराता है। इस मिशन की खास बात यह है कि इसे नासा और इसरो ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। अमेरिकी विशेषज्ञता और भारतीय प्रौद्योगिकी का यह संगम भविष्य के लिए एक मजबूत अंतरिक्ष साझेदारी का संकेत है। प्रक्षेपण में भारतीय प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी-एफ 16) का उपयोग किया गया, जो हमारे आत्मनिर्भर अंतरिक्ष कार्यक्रम का प्रमाण है।

पिछले कुछ दशकों में जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों के कारण प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक संरचना वाले देश के लिए यह चुनौती और भी बड़ी है। निसार जैसे उपग्रह इन चुनौतियों से निपटने में एक नई उम्मीद लेकर आए हैं। यह न केवल समय रहते चेतावनी देगा, बल्कि आपदा के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों में भी मदद करेगा।जब किसी क्षेत्र में भूस्खलन या बाढ़ जैसी घटना होती है, तो निसार तुरंत उस क्षेत्र की उच्च-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें भेजेगा। इससे प्रशासन को प्रभावित इलाकों की सटीक जानकारी मिलेगी और बचाव कार्य तेजी से हो सकेंगे। आपदा के बाद जमीन में हुए स्थायी बदलावों का भी यह अध्ययन कर सकेगा, जिससे भविष्य में बेहतर योजना बनाई जा सके।

'निसार' का सफल प्रक्षेपण केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक सुरक्षा कवच है। यह धरती पर आने वाले हर बदलाव पर नज़र रखकर हमें पहले से चेताएगा, जिससे जीवन और संपत्ति की रक्षा की जा सकेगी। पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक शोध, कृषि और जल संसाधन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका योगदान अमूल्य होगा। भारत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि यह हमें आपदाओं से निपटने में आत्मनिर्भर बनाएगी और अंतरिक्ष विज्ञान में हमारी वैश्विक पहचान को और मजबूत करेगी। नासा के साथ इसरो की यह साझेदारी विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नई मिसाल है। आने वाले समय में जब धरती जलवायु परिवर्तन और आपदाओं की चुनौतियों का सामना करेगी, तब 'निसार' जैसे उपग्रह उम्मीद की किरण बनकर सामने आएंगे। यह मानव सभ्यता को सुरक्षित और स्थायी भविष्य की ओर ले जाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नारी-समर्पण से सशक्तिकरण तक

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

नारी, जिसे सृष्टि की जननी कहा गया है, केवल एक संबंध या एक भूमिका तक सीमित नहीं है। वह माँ है, पत्नी है, बहन है, बेटी है। लेकिन उससे कहीं अधिक, वह एक शक्ति है, एक चेतना है, जो अपने कर्मों से समाज और परिवार को दिशा देती है।आज के युग में नारी केवल चूल्हा-चौका या घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने शिक्षा, व्यवसाय, विज्ञान, राजनीति और प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। वह आज कामकाजी भी है, आत्मनिर्भर भी है और साथ ही एक संवेदनशील माँ, एक सुयोग्य गृहिणी भी है।जब एक महिला नौकरी करती है। अपनी प्रतिभा और परिश्रम से घर की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनाती है, तब वह केवल पैसे नहीं कमा रही होती, वह अपने बच्चों को यह भी सिखा रही होती है कि जीवन में संघर्ष, आत्मनिर्भरता और मेहनत का कितना महत्व है। यह दृश्य कि एक माँ सुबह बच्चों के टिफिन तैयार करती है, उन्हें स्कूल भेजती है, फिर स्वयं ऑफिस जाती है, दिन भर की थकावट के बाद भी शाम को उनके होमवर्क में मदद करती है, उनके सपनों को आकार देती है ङ्क यह सब देखना, अनुभव करना किसी भी बच्चे के लिए प्रेरणास्पद होता है।

कामकाजी महिलाओं की यह दोहरी भूमिका घर और बाहर दोनों का संतुलन बनाना - वास्तव में नारीत्व की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। यह केवल समय प्रबंधन नहीं है, यह भावनाओं, ज़िम्मेदारियों और कर्तव्यों का वह ताना-बाना है, जिसमें हर धागा प्रेम, त्याग और समर्पण से बुना गया है।आज जब समाज में हम सफलता की नई परिभाषाएं गढ़ रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि हम उस माँ को नमन करें, जो ऑफिस की मीटिंग के बीच भी अपने बच्चे की परीक्षा की चिंता करती है, जो प्रमोशन के तनाव के बावजूद अपने परिवार को गर्म खाना परोसती है। यह वह शक्ति है जो केवल नारी में ही हो सकती है। पुरुषों के योगदान को कम नहीं आँका जा सकता, परंतु एक महिला का योगदान भावनात्मक स्तर पर कहीं अधिक गहरा और व्यापक होता है।

कामकाजी महिलाओं को अक्सर यह सुनना पड़ता है कि वे अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पातीं। परंतु यह आकलन केवल सतही दृष्टिकोण से किया जाता है। वास्तव में, ऐसी महिलाएँ अपने बच्चों को समय की गुणवत्ता (quality time) देती हैं, उनके साथ बिताए गए क्षणों में उन्हें जीवन के मूल्य, आत्मनिर्भरता, सहनशीलता और महत्वाकांक्षा सिखाती हैं। वे यह सिखाती हैं कि जीवन केवल आराम से नहीं जिया जा सकता, संघर्ष का सामना करके ही सच्ची सफलता मिलती है। एक कामकाजी महिला के लिए घर और ऑफिस के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता, परंतु जब वह इसे कर लेती है, तो वह अपने बच्चों के लिए सबसे बड़ा आदर्श बन जाती है। बच्चे जब अपनी माँ को दिन-रात मेहनत करते हुए, फिर भी मुस्कुराते हुए देखते हैं, तो वे अपने जीवन के लिए भी वही दृष्टिकोण अपनाते हैं। आज की पीढ़ी को ऐसे ही उदाहरणों की आवश्यकता है। जहाँ बच्चे अपनी माँ में एक योद्धा, एक मार्गदर्शक और एक सच्चे साथी को देखें। यह केवल प्रेरणा नहीं, बल्कि उनके मानसिक और भावनात्मक विकास का आधार बनता है। अतः यह कहना पूर्णतः उचित है कि कामकाजी महिलाओं का घर और बच्चों के भविष्य दोनों को सँवारना ही असली नारीत्व की शक्ति को उजागर करता है। यह शक्ति केवल भौतिक नहीं, आत्मिक भी है। इसमें सहनशीलता है, करुणा है, कठोरता भी है और प्रेम की मधुरता भी। यह शक्ति ही समाज का भविष्य गढ़ती है। हमें इस शक्ति का सम्मान करना चाहिए, उसे प्रोत्साहित करना चाहिए और हर उस माँ, उस महिला को सराहना चाहिए जो बिना किसी शिकायत के, अपनी इच्छाओं को कई बार पीछे रखकर, अपने परिवार, अपने बच्चों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है। यही असली नारीत्व है। सेवा, सशक्तिकरण और समर्पण का अद्भुत संगम।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

'पड़ाई' कर रहे हो तो पढ़े-लिखे कैसे कहलाओगे

व्यंग्य

नंदकिशोर बर्वे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भाषा की अशुद्धता आजकल जानलेवा हो गई है, उनके लिए जो उसे समझते हैं। अब आप कहोगे कि भाषा की शुद्धता को समझने वाले बचे कितने हैं? तो भईये जितने भी बचे हैं, वे तो संरक्षण करने लायक हो गए कि नहीं? सरकार भी विलुप्त होती जा रही प्रजातियों को बचाने के कितने उपक्रम करती है। फिर वह विलुप्त होती जा रही प्रजाति वन वनस्पति हो, चाहे पशु पक्षी। अब संरक्षण के लिए घोषित प्रजातियों का सरकारी योजनाओं से कितना संरक्षण होता है, यह मत पूछिये। उनकी चिंता की बात करने वाले तो पूरी तरह संरक्षित हैं।

पिछली एक दो पीढ़ियां जो रटकर मेरिट में आती रही हैं, उन्होंने भाषा की शुद्धता देखी सुनी नहीं। अब उनको जो पढ़ाने वाले हैं, वे भी पड़े हुए ही हैं। पढ़ें हुए नहीं हैं। और अपने विद्यार्थियों से पड़ने को कहते हैं, पढ़ने का नहीं। विद्यार्थियों से तो पढ़ाई का ही कहना चाहिए। जब पड़ाई के लिए ही कहा जा रहा तो पढ़ाई कैसे होगी? जब अपनी भाषा को परायेपन और हिकारत से देखोगे तो यह समस्या तो मुँह बाएँ आनी ही है । सबसे बड़ा विरोधाभास यही है कि हमें यह भान ही नहीं है, कि हम ग़लत बोल रहे हैं। और ग़लत ही सीख/ सिखा रहे हैं। एक बात और हममें से अधिकांश को अंग्रेज़ी शब्दकोश को देखना जितना प्रतिष्ठापूर्ण लगता है, अपनी भाषा का शब्दकोश देखना उतना ही हीन भावना से भर देता है। अंग्रेज़ी भाषा के कठिन शब्दों का प्रयोग हमें दैनिक जीवन की भाषा में भीड़ से अलग बनाता है। इसके विपरीत अगर हम उच्च हिन्दी के थोड़े कठिन शब्दों का प्रयोग करेंगे तो उपहास का पात्र बन सकते हैं। यह धारणा हमारे विचार की दिशा और दशा बताती है।

उर्दू का नुक्ता और हिंदी की बिंदी का सही प्रयोग हो इसकी हम कोई चिंता नहीं पालते। फल को फ़ल, फूल को फ़ूल उच्चारित करने में हमें कोई परहेज नहीं होता। जब ज़िन्दगी जिंदगी हो जाती है, तब जीने की इच्छा ख़त्म होने लगती है। इसी तरह हैं और है का अन्तर समझ लो तो जान में जान आये। तरकारी याने साग भाजी चाहे स्त्रीलिंग हो पर हमेशा ताज़ा ही खाइये। क्योंकि यह ताज़ी नहीं होती, बल्कि ताज़ी का अर्थ होता है अरब देश का या, या अरबी घोड़ा और अरबी श्वान भी। इसलिए ताज़ी से बचिए और ताज़ा खाइये। ऐसे ही जो लोग ख़ुद ख़ुदा में फ़र्क़ नहीं समझते, उन्हें तो ख़ुदा जल्दी ही अपने पास बुला ले तो ही अच्छा। वर्ना इस फ़र्क़ को समझने वालों की ख़ुदा ख़ैर करे।

अब के समय में ए और ऐ की मात्रा का फ़र्क़ भी मिट चला है। लिखा भले ही है हो पर उच्चारण हे होता है। यह सुनकर हे राम कहने की इच्छा होती है। खाना तो हम रोज़ाना ही खाते हैं, पर कभी भी ख़ाना मत खाओ क्योंकि यह डाकख़ाना या दवाख़ाना होगा या आपकी आलमारी का ख़ाना होगा। पुलिस हमेशा अपराधियों को ज़ंजीर में बांधती है, न कि जंज़ीर में। श को स उच्चारने वाले इस अन्तर को समझने वालों को हमेसा परेसान नहीं, करते बल्कि हमेशा परेशान करते हैं। और मैं जो कह रहा हूँ, उस पर पूरा विश्वास रखिए विस्वास तो बिल्कुल भी नहीं। चाय और मिठाई में हमेशा शक्कर कम होती है सक्कर नहीं। और यह सब सुनकर आपको बुरा लग रहा हो तो अपनी शकल बिगड़ने दीजिए। सकल नहीं । क्योंकि सकल जब बिगड़ता है तो कुछ भी बाकी नहीं बचता। इसलिए कि सकल का अर्थ ही संपूर्ण या समस्त होता है। तो ध्यान रहे अगली बार कुछ मन का न हो तो सकल मत बिगाड़ना। और उपर जो मैने कहा वह उच्चारण असुद्द नहीं अशुद्ध है। इसी तरह उन शब्दों की और चर्चा करें जिनमें श आता है, फिर मन में आता है कि लोग यूँ ही शरमा जाएंगे। न कि सरमा जाएंगे। इसलिए कि

सरमा का अर्थ शब्दकोश और गूगल काका दोनों ही देवताओं की एक कुतिया बताते हैं। और हाँ इस बात से कोई भी शर्मा जी नाराज़ मत होना क्योंकि आप सभी शर्मा जी ही हैं, न कि सरमा जी। उपर हम जो बातें करके आये हैं उन पर अच्छी या बुरी किसी भी प्रकार की चर्चा करनी हो तो लोगों को इकठ्ठा करना, इखट्ठा मत करना। कोई कितना भी झूठ बोलता हो, और आपको उससे कितनी भी शिकायत हो। पर फिर भी वह झूट नहीं बोलता, झूठ बोलता है। क्योंकि झूट कुछ नहीं, होता जो भी होता है वह झूठ ही है।

तो सोचिए मत बल्कि सोचिए कि हम भाषा को लेकर किदर को नहीं चल रहे हैं, किधर को चल रहे हैं। क्ष का सही उच्चारण बड़े बड़े छत्रप नहीं बड़े बड़े क्षत्रप भी बेबस दिखते हैं।

कुल जमा बात इत्ती नहीं है, इतनी ही है कि हम कोई भी भाषा बोलें उसे सही बोलें। उच्चारण में अशुद्धियां हों तो सुधार कर बोलें। इससे सही भाषा भी बची रहेगी, साथ ही आपका सम्मान भी।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

संविधान और मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण

अधिसूचना में कहा गया कि एसआईआर, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम धारा 21 और भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत प्रदत्त शक्तियों के माध्यम से संचालित किया जाता है। अनुच्छेद 324, भारत में चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार निर्वाचन आयोग को प्रदान करता है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 21, निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार देती है।

भारत निर्वाचन आयोग ने 24 जून को,घोषणा की थी कि वह बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू करेगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य राज्य में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण करना है ताकि सभी पात्र मतदाताओं को शामिल किया जा सके और सभी अपात्र मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाया जा सके। अधिसूचना में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची के पुनरीक्षण में मतदाताओं की पात्रता और अयोग्यता संबंधी संवैधानिक प्रावधानों का ईमानदारी से पालन करेगा। निर्वाचन आयोग ने कहा कि यह प्रावधान भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 के तहत स्पष्ट रूप से वर्णित है। अधिसूचना के अनुसार, 2003 के बाद से बिहार मतदाता सूची का यह पहला गहन पुनरीक्षण है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखना है।

क्योंकि यह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए मूलभूत है। इसका उद्देश्य बिहार में तीन लक्ष्य हासिल करना है। एक, प्रत्येक पात्र नागरिक का नामांकन हो और कोई भी मतदाता सूची से बाहर न रहे। दुसरा, कोई भी अपात्र मतदाता मतदाता सूची में न रहे। तीसरा, मृत/स्थानांतरित/अनुपस्थित मतदाताओं को हटाना। चुनाव आयोग ने इस गहन कवायद को तेजी से बढ़ते शहरीकरण, लगातार हो रहे प्रवास, नए पात्र युवा मतदाताओं के जुड़ने, मौतों की कम रिपोर्टिंग और विदेशी अवैध प्रवासियों के नाम शामिल होने जैसे कारकों का हवाला देते हुए उचित ठहराया है। इसी कारण संसद पांच दिनों तक विरोधी दलों के विरोध के कारण नहीं चल सकी है।

अधिसूचना में कहा गया है कि एसआईआर, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम धारा 21 और भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत प्रदत्त शक्तियों के माध्यम से संचालित किया जाता है। अनुच्छेद 324, भारत में चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार निर्वाचन आयोग को प्रदान करता है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 21, निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार देती है। एसआईआर के लिए अर्हता तिथि 1 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। इसलिए, उस तिथि को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला कोई भी व्यक्ति इसके लिए पात्र होगा। जबकि अनुच्छेद 326 के अनुसार, 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति मतदान के लिए पात्र है। धारा 16 मतदाता बनने से अयोग्य ठहराए जाने वाले व्यक्ति के मानदंड निर्धारित करती है। इन मानदंडों में भारत का नागरिक न होना, मानसिक रूप से अस्वस्थ होना, या भ्रष्ट आचरण या अन्य चुनावी अपराधों से संबंधित किसी भी कानून के तहत मतदान से अयोग्य होना शामिल है।

चुनाव आयोग ने घर-घर जाकर सत्यापन करने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को नियुक्त किया है। इसमें बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सर्वेक्षण शामिल होगा, जो पात्र या अपात्र मतदाताओं की पहचान करेंगे। इसने मौजूदा मतदाताओं के लिए पहले से भरे हुए गणना फॉर्म प्रिंट करने के लिए निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को नामित किया है। बीएलओ अपने दौरे के दौरान गणना फॉर्म वितरित करेंगे और उन्हें सहायक दस्तावेजों के साथ एकत्र करेंगे। ये फॉर्म चुनाव आयोग की वेबसाइट पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध होंगे। वैकल्पिक रूप से, मतदाता इन फॉर्म को संबंधित दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन भरकर अपलोड कर सकते हैं। मतदाता गोपनीयता बनाए रखते हुए पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, अधिसूचना में कहा गया है कि पात्रता सत्यापित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले दस्तावेज अपलोड किए जाएंगे। ये केवल अधिकृत चुनाव अधिकारियों के लिए ही सुलभ होंगे। बिहार में आयोग अपनी कार्यवाही लगभग समाप्त कर चुका है।

चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है और उनसे प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का आग्रह किया है। इस तरह यदि कोई विसंगतियां हों, तो उन्हें तैयारी के चरण में ही हल कर लिया जाएगा, जिससे दावे, आपत्तियां और अपील दायर करने की घटनाओं में कमी आएगी। दावे और आपत्तियां कोई भी मतदाता या राजनीतिक दल दायर कर सकता है। इन शिकायतों का मूल्यांकन सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी द्वारा किया जाएगा। सभी दावों और आपत्तियों के

निराकरण के बाद चुनाव आयोग द्वारा अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। यह सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाएगी और चुनाव आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइटों पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। मसौदा मतदाता सूची 1 अगस्त 2025 को लाइव होगी।

जुलाई की शुरुआत में, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, स्वराज पार्टी के सदस्य और कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनाव आयोग की अधिसूचना को चुनौती दी। उनका दावा है कि एसआईआर मनमाना है और वयस्क मताधिकार के सार्वभौमिक अधिकार का उल्लंघन करता है।अपनी याचिका में, एडीआर ने चुनाव आयोग के 24 जून के आदेश को रद्द करने की मांग की है। यह तर्क दिया गया है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के साथ-साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। एनजीओ ने तर्क दिया कि एसआईआर का आदेश बिना किसी उचित प्रक्रिया के लाखों मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकता है। इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रभावित होंगे। यह भी तर्क दिया गया कि आयोग ने मतदाता पात्रता साबित करने का भार राज्य से व्यक्तिगत नागरिकों पर अनुचित रूप से स्थानांतरित कर दिया है। आधार और राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को बाहर करने से गरीब और हाशिए के समुदायों पर असमान रूप से प्रभाव पड़ेगा।

6 जुलाई को, चुनाव आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि एसआईआर का प्रारंभिक चरण पूरा हो गया है। 7 जुलाई 2025 को, सर्वोच्च न्यायालय ने एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की। 10 जुलाई 2025 को मामले की सुनवाई हुई और चुनाव आयोग को 21 जुलाई तक जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा गया। 10 जुलाई के अपने आदेश में, बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर रोक लगाने से इनकार करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय खंडपीठ ने आयोग को इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था। पीठ ने कहा था कि हमारे प्रथम दृष्टया विचार में, चूँकि यह सूची संपूर्ण नहीं है, इसलिए न्याय के हित में होगा कि चुनाव आयोग आधार कार्ड, चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता फोटो पहचान पत्र और राशन कार्ड पर भी विचार करे।

आयोग ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए कई आँकड़े पुराने हैं और वर्तमान परिदृश्य का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। आयोग ने कहा कि पूरी रिपोर्ट संलग्न नहीं की गई है और याचिकाकर्ताओं ने जानबूझकर इस तथ्य को दबाया है कि ये रिपोर्ट समकालीन आंकड़ों को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। सर्वोच्च न्यायालय अब इस मामले की आगे सुनवाई करेगा। लेकिन, सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की कार्यवाही पर कोई भी रोक लगाने से इंकार कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान यह जानना चाहा कि आखिर आधार कार्ड को वोटर कार्ड से क्यों नहीं जोड़ा जा रहा है। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि राशन कार्ड जैसे कई दस्तावेज फर्जी बन रहे हैं, इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया गया। इसी बीच चुनाव आयोग ने अपनी प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। साथ ही आयोग ने यह घोषणा की है कि यही प्रक्रिया देश के अन्य राज्यों में भी अपनाई जाएगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि अन्य राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया चुनाव आयोग की इस घोषणा पर क्या होगी? यह भी देखना होगा कि सर्वोच्च न्यायालय इस पर क्या निर्णय देता है। मोटे तौर पर चुनाव आयोग को संविधान यह अधिकार देता है और आयोग ने यही किया भी है।

विदेशी बयानबाजी बनाम भारतीय अर्थव्यवस्था का सच

आर्थिकी

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'

दुर्भाग्य से, जब भी कोई विदेशी नेता भारत के खिलाफ गलत बयानबाजी करता है, तो हमारे देश में विपक्ष के नेता बिना तथ्यों की जांच किए उसका समर्थन करने लगते हैं। विदेशी नेताओं के बयानों पर आंख बंद करके भरोसा करना न केवल भ्रामक है, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए भी ठीक नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह आईएमएफ, विश्व बैंक और अन्य वैश्विक संस्थानों के आंकड़ों पर ध्यान दे, जो यह साफ बताते हैं कि भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत है। तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह से जीवंत है और वैश्विक स्तर पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में सामने आ रही है। यह दशक निश्चित रूप से भारत का दशक है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' कहने और विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा इस बयान का समर्थन करने का दावा, तथ्यों से बिल्कुल परे है। यह बयानबाजी वैश्विक आर्थिक आंकड़ो के सामने पूरी तरह से भ्रामक है। भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने भी भारत की विकास दर को लगातार उच्च बताया है। आईएमएफ के अनुसार, 2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो वैश्विक औसत (3 प्रतिशत) और विकसित देशों (2 प्रतिशत से कम) से काफी अधिक है।

यह समझना जरूरी है कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जिसने यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। कोरोना महामारी के बाद, जहां कई विकसित देश महंगाई और मंदी से जूझ रहे हैं, वहीं भारत ने शानदार रिकवरी दिखाई है।

विपक्ष का यह दावा है कि केंद्र सरकार की नीतियों ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को बर्बाद कर दिया है, जो पूरी तरह से गलत है। 2020 से 2025 के बीच एमएसएमई से होने वाला निर्यात तीन गुना बढ़कर 12.39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसके साथ ही, निर्यात करने वाले छोटे उद्यमों की संख्या भी 52,000 से बढ़कर 1.7 लाख से अधिक हो गई है। यह क्षेत्र अब भारत की जीडीपी में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमाण है।

नोटबंदी और जीएसटी जैसे सुधारों को भले ही आलोचना का सामना करना पड़ा हो, लेकिन इनके दूरगामी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। नोटबंदी ने यूपीआई जैसे डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया है, जो आज दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम है। वहीं, जीएसटी ने कर प्रणाली को सरल बनाया है, जिससे 2024-25 में कर संग्रह में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

यह सच है कि भारत में महंगाई और रोजगार की चुनौतियां हैं, लेकिन वैश्विक संदर्भ में भारत की स्थिति बेहतर है। विश्व बैंक के अनुसार, 2024 में भारत की बेरोजगारी दर 4.8 प्रतिशत थी, जो कई विकसित देशों की तुलना में कम है। ट्रंप का 'डेड इकोनॉमी' वाला बयान भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा के बाद आया था, जो उनकी भू-राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिसका मकसद भारत को अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौतों के लिए दबाव में लाना है।

दुर्भाग्य से, जब भी कोई विदेशी नेता भारत के खिलाफ गलत बयानबाजी करता है, तो हमारे देश में विपक्ष के नेता बिना तथ्यों की जांच किए उसका समर्थन करने लगते हैं।

विदेशी नेताओं के बयानों पर आंख बंद करके भरोसा करना न केवल भ्रामक है, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए भी ठीक नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह आईएमएफ, विश्व बैंक और अन्य वैश्विक संस्थानों के आंकड़ों पर ध्यान दे, जो यह साफ बताते हैं कि भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत है। तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह से जीवंत है और वैश्विक स्तर पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में सामने आ रही है। यह दशक निश्चित रूप से भारत का दशक है।

रील्स में रोती ज़िंदगी

वक्रोक्ति

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

श्रीकांत शर्मा, जिन्हें उनके पड़ोसियों ने कभी महफ़िल की जान कहा था, अब अपने 2बीएचके फ्लैट में एक डिजिटल एकांतवासी बन चुके थे। उनके घर की दीवारें, जो कभी ठहाकों और गपशप की गूँज से थर्राती थीं, अब सिर्फ़ उनके स्मार्टफोन से निकलने वाली रील्स की धुन पर थिरकती थीं। सुबह की पहली किरण से लेकर रात के गहरे सन्नाटे तक, श्रीकांत की उंगलियाँ स्क्रीन पर फिसलती रहतीं, मानो वे किसी अदृश्य धागे से बंधी कठपुतली हों और उनका जीवन लाइक्स और कमेंट्स के इशारों पर नाच रहा हो। उनकी फेसबुक वॉल पर उनके खुशहाल जीवन के ऐसे-ऐसे प्रमाण बिखरे पड़े थे, जिन्हें देखकर अच्छे-अच्छे मनोवैज्ञानिक भी अपनी डिग्री फाड़ देते। कभी वे किसी महंगे रेस्तरां में अकेले बैठकर, थाली में सजे खाने की तस्वीर खींचते और कैप्शन देते, लाइफ इज़ ऑल अबाउट गुड फूड एंड ग्रेट कंपनी! कंपनी? कमरे में एक मक्खी भी नहीं थी, सिवाय उनके अपने अकेलेपन के। उनके स्टेटस अपडेट्स इतने सकारात्मक होते कि अगर कोई डिप्रेशन का मरीज उन्हें पढ़ ले, तो उसे अपने डिप्रेशन पर भी शर्म आ जाए। वे लिखते, आज प्रकृति की गोद में शांति मिली! जबकि वे बालकनी में गमले में उगे तुलसी के पौधे के पास बैठकर, फोन में किसी हिल स्टेशन की वीडियो देख रहे होते। उनका अकेलापन इतना सूक्ष्म था कि उसे देखने के लिए माइक्रोस्कोप नहीं, बल्कि एक संवेदनशील हृदय की ज़रूरत थी, जो आजकल इमोजी के नीचे दबकर मर चुका था।

उनका दिन शुरू होता था गुड मॉर्निंग फॉरवर्ड मैसेज से, जो वे सैकड़ों दोस्तों को भेजते थे, जिनमें से ज़्यादातर को वे असल ज़िंदगी में जानते भी नहीं थे। जवाब में उन्हें ओके या थैंक्स जैसे उदासीन शब्द मिलते, जो उनके भीतर के खालीपन को और गहरा कर देते। फिर आती थी रील्स की बारी। वे घंटों दूसरों की परफेक्ट ज़िंदगी देखते, उनकी छुट्टियों, उनके पार्टीज़, उनके परिवारिक समारोहों को देखकर आहें भरते। उनके दिमाग में एक ही सवाल घूमता, ये सब इतने खुश कैसे हैं? उन्हें नहीं पता था कि ये सारी खुशियाँ फिल्टर और एंगल का कमाल थीं, और हर हैप्पी फेस के पीछे एक अकेली आत्मा छिपी हो सकती है। एक बार उन्होंने एक इंफ्लुएंसर की रील देखी, जिसमें वह कह रहा था, लाइफ इज़ अ पार्टी, एन्जॉय एवरी मोमेंट! श्रीकांत ने अपने खाली कमरे में देखा, जहाँ सिर्फ़ उनकी परछाई थी, और सोचा, मेरी पार्टी में तो सिर्फ़ मैं ही मेहमान हूँ, और मैं ही मेज़बान भी। उन्होंने भी अपनी एक रील बनाने की सोची, जिसमें वे अपने पुराने दोस्तों के साथ हंसते-गाते दिखें। लेकिन जब उन्होंने फोन उठाया, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास कोई ऐसा दोस्त बचा ही नहीं था, जिसके साथ वे हंसते-गाते दिख सकें। उनकी गैलरी में सिर्फ़ सेल्फीज़ थीं, और उन सेल्फीज़ में भी उनका चेहरा एक अजीब सी मुस्कान ओढ़े था, जो उनके दिल के दर्द को छुपाने की नाकाम कोशिश थी।

सोशल मीडिया पर उनकी पिंकी दीदी से दोस्ती हुई थी। पिंकी दीदी, जो खुद भी एक बड़े शहर में अकेली रहती थीं, श्रीकांत की हर पोस्ट पर सबसे पहले लाइक और कमेंट करती थीं। उनके कमेंट्स इतने जोशीले होते थे, जैसे वे श्रीकांत की सबसे बड़ी प्रशंसक हों। वाह श्रीकांत जी! क्या बात है! आपकी तो ज़िंदगी ही जन्नत है! पिंकी दीदी के ये शब्द श्रीकांत के सूखे रेगिस्तान में पानी की कुछ बूंदों जैसे थे। वे घंटों पिंकी दीदी से चैट करते, अपनी खुशहाल ज़िंदगी के किस्से गढ़ते, और पिंकी दीदी भी अपनी सफल ज़िंदगी की कहानियाँ सुनातीं। एक बार श्रीकांत ने हिम्मत करके पिंकी दीदी को मिलने के लिए बुलाया। पिंकी दीदी ने तुरंत हाँ कर दी। श्रीकांत ने सोचा, चलो, कोई तो है जिससे असल में बात करूँगा। वे एक महंगे कैफे में मिले। पिंकी दीदी ने आते ही अपना फोन निकाला और श्रीकांत के साथ एक सेल्फी ली, कैप्शन लिखा, ग्रेट टाइम विद अ ग्रेट फ्रेंड! फिर वे दोनों अपने-अपने फोन में व्यस्त हो गए। श्रीकांत ने पिंकी दीदी से पूछा, और बताइए, कैसी चल रही है ज़िंदगी? पिंकी दीदी ने फोन से नज़र हटाए बिना कहा, बस बढ़िया! आजकल तो इंस्टाग्राम पर 10 के फॉलोअर्स हो गए हैं! श्रीकांत ने महसूस किया कि वे दोनों एक ही नाव में सवार थे, बस नाव का नाम अकेलापन था और वे दोनों डिजिटल दिखावे के पतवार चला रहे थे।

एक दिन श्रीकांत को अपने बचपन के दोस्त राजू की याद आई। राजू, जिसके साथ वे गलियों में धूल फांकते थे, जिसके साथ उन्होंने पहली बार चोरी की थी, जिसके साथ उन्होंने पहली बार प्यार का इज़हार किया था। राजू अब एक छोटे शहर में रहता था। श्रीकांत ने उसे फोन किया। राजू ने फोन उठाया और कहा, अरे श्रीकांत! कहाँ गायब हो गया था यार? तेरी तो कोई खबर ही नहीं मिलती। श्रीकांत ने सोचा, खबर तो बहुत मिलती है, बस तू ऑनलाइन नहीं है। श्रीकांत ने राजू से अपनी खुशहाल ज़िंदगी के बारे में बताना शुरू किया, अपनी विदेश यात्राओं के बारे में, अपनी नई कार के बारे में, अपने लाखों फॉलोअर्स के बारे में। राजू चुपचाप सुनता रहा। जब श्रीकांत चुप हुए, तो राजू ने कहा, यार, ये सब तो ठीक है, लेकिन तू खुश है ना? श्रीकांत को राजू की आवाज़ में एक अजीब सी सच्चाई महसूस हुई, जो उनके फिल्टर्ड जीवन में कहीं खो गई थी। वे कुछ बोल नहीं पाए। राजू ने फिर कहा, यार, कभी आ मेरे पास। यहाँ कोई रील्स नहीं हैं, कोई लाइक्स नहीं हैं, बस हम हैं और हमारी पुरानी यादें हैं। श्रीकांत की आँखों में पानी आ गया। उन्हें एहसास हुआ कि जिस खुशी को वे पूरी दुनिया को दिखा रहे थे, वह सिर्फ़ एक छलावा थी, और असली खुशी तो उन पुराने रिश्तों में थी, जिन्हें उन्होंने डिजिटल होने की होड़ में खो दिया था।

श्रीकांत के अपार्टमेंट में एक नया परिवार रहने आया था। एक युवा जोड़ा, जो हमेशा हंसता-खिलखिलाता रहता था। श्रीकांत उन्हें देखकर मुस्कुराते, लेकिन वे कभी उनसे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। एक शाम, उन्होंने देखा कि वह जोड़ा अपने बालकनी में बैठकर चाय पी रहा था और एक-दूसरे से बातें कर रहा था। उनकी हंसी की आवाज़ श्रीकांत के खाली कमरे में गूँज रही थी। श्रीकांत ने अपने फोन में एक 'वीडियो कॉल' लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। उन्हें याद आया कि उन्होंने अपने सारे दोस्तों को 'ब्लॉक' कर दिया था, क्योंकि वे उनके 'स्टेटस' पर 'लाइक' नहीं करते थे। उन्होंने सोचा, 'क्या मैं इतना अकेला हो गया हूँ कि मेरे पास बात करने के लिए कोई नहीं है?' उन्होंने अपने फोन को देखा, जिसमें सैकड़ों 'कॉन्टैक्ट्स' थे, लेकिन उनमें से कोई भी ऐसा नहीं था, जिसे वे अपनी सच्ची भावनाएँ बता सकें। वे अपने फोन को कसकर पकड़ लिया, जैसे वह उनका इकलौता साथी हो। लेकिन फोन ने उन्हें सिर्फ़ 'रील्स' और 'नोटिफिकेशंस' दिए, जो उनके अकेलेपन को और गहरा करते गए। उन्हें लगा कि वे एक ऐसे द्वीप पर फंसे हैं, जहाँ चारों तरफ़ पानी है, लेकिन पीने के लिए एक बूंद भी नहीं है।एक रात, श्रीकांत को अचानक तेज़ बुखार आया। वे उठने की कोशिश की, लेकिन शरीर में ताक़त नहीं थी। उन्होंने अपने फोन उठाया और किसी को कॉल करने की सोची। लेकिन किसे? उनके 'कॉन्टैक्ट लिस्ट' में सिर्फ़ 'प्रोफेशनल कॉन्टैक्ट्स' और 'ऑनलाइन फ्रेंड्स' थे, जिनसे वे कभी अपनी बीमारी के बारे में बात नहीं कर सकते थे। उन्होंने सोचा, 'अगर आज रात मुझे कुछ हो गया, तो किसी को पता भी नहीं चलेगा।' उन्हें अपनी माँ की याद आई, जो हमेशा उनके बीमार होने पर उनके सिर पर हाथ फेरती थीं। उन्हें अपने पिता की याद आई, जो हमेशा उन्हें हिम्मत देते थे। लेकिन वे दोनों अब इस दुनिया में नहीं थे। श्रीकांत ने अपने फोन को एक तरफ़ फेंका और अपनी आँखों से बहते आँसुओं को रोकने की कोशिश की। उन्हें लगा कि वे एक ऐसे पिंजरे में बंद हैं, जिसका दरवाज़ा खुला है, लेकिन वे बाहर नहीं निकल सकते, क्योंकि बाहर की दुनिया में भी उनका कोई नहीं है। उनका अकेलापन अब सिर्फ़ एक भावना नहीं, बल्कि एक ठोस दीवार बन चुका था, जो उन्हें हर रिश्ते से दूर कर रही थी।अगले दिन, श्रीकांत को थोड़ा बेहतर महसूस हुआ। वे उठे और बालकनी में गए। उन्होंने देखा कि वही युवा जोड़ा अपनी बालकनी में बैठकर चाय पी रहा था। इस बार, वे दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुरा रहे थे। श्रीकांत ने हिम्मत की और उन्हें देखकर मुस्कुराए। युवा जोड़े ने भी मुस्कुराकर जवाब दिया। श्रीकांत को लगा कि शायद अभी भी उम्मीद बाकी है। उन्होंने सोचा कि वे आज शाम उस जोड़े से बात करेंगे, उनसे दोस्ती करेंगे। लेकिन तभी, उनके फोन पर एक नोटिफिकेशन आया। किसी ने उनकी पुरानी पोस्ट पर कमेंट किया था, 'नाइस पिक!' श्रीकांत ने तुरंत अपना फोन उठाया और उस कमेंट का जवाब देने लगे। वे फिर से अपनी डिजिटल दुनिया में खो गए। युवा जोड़ा अपनी चाय खत्म कर चुका था और अपने घर के अंदर चला गया था। श्रीकांत ने उन्हें जाते हुए देखा और फिर से अपने फोन में व्यस्त हो गए। उन्हें लगा कि वे एक ऐसे दलदल में फंस गए हैं, जहाँ वे जितना निकलने की कोशिश करते हैं, उतना ही धँसते जाते हैं।श्रीकांत शर्मा का जीवन अब एक अंतहीन रील बन चुका था, जिसमें वे हर दिन एक नया फिल्टर लगाते थे, ताकि दुनिया को उनकी खुशी दिख सके। लेकिन हर फिल्टर के पीछे उनका अकेलापन और गहरा होता जा रहा था। वे रात को बिस्तर पर लेटते और अपने फोन को देखते, जिसमें उनके हज़ारों दोस्त थे, लेकिन कोई भी ऐसा नहीं था, जो उनके साथ सच में बात कर सके। उनकी आँखों में आँसू थे, लेकिन वे उन्हें किसी को नहीं दिखा सकते थे, क्योंकि 'ऑनलाइन' दुनिया में कमज़ोरी दिखाना पाप था। उन्होंने सोचा, क्या मेरी ज़िंदगी सिर्फ़ लाइक्स और कमेंट्स के लिए बनी है? उन्हें अपने बचपन की याद आई, जब वे दोस्तों के साथ मैदान में खेलते थे, जब वे बिना किसी फिल्टर के हंसते थे, बिना किसी दिखावे के रोते थे। आज, उनके पास सब कुछ था - एक बड़ा घर, एक अच्छी नौकरी, और 'हज़ारों दोस्त'- लेकिन उनके पास वह एक चीज़ नहीं थी, जो सबसे ज़रूरी थी: एक सच्चा रिश्ता, एक सच्चा दोस्त, एक सच्चा हमदर्द। वे अकेले थे, और उनका अकेलापन अब उनकी पहचान बन चुका था। वे रोए, और उनके आँसुओं की आवाज़ सिर्फ़ उनके खाली कमरे की दीवारों ने सुनी, और शायद उनके स्मार्टफोन ने, जो उनकी हर रील्स को रिकॉर्ड कर रहा था। उनका जीवन एक दर्दनाक व्यंग्य बन चुका था, जिसमें वे नायक थे, खलनायक भी, और सबसे बड़ा दर्शक भी। और अंत में, वे सिर्फ़ एक अकेलेपन की रील में सिमट कर रह गए, जिसे कोई लाइक करने वाला नहीं था।

पांढुर्ना के नितेश ने जीती फौजी दौड़ चैंपियनशिप

● अग्निवीर परीक्षा पास करने वाले 250 युवा हुए शामिल

बैतूल। बैतूल पुलिस ग्राउंड में रविवार को मेरा वतन वेलफेयर फाउंडेशन और आरए स्पोर्ट्स बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में 1600 मीटर की फौजी दौड़ चैंपियनशिप-2025 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बैतूल सहित आसपास के 10 जिलों से 250 से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। भोपाल एआरओ अग्निवीर (आर्मी) 2025 की लिखित परीक्षा में सफल युवाओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता को तीन समूहों में बांटा गया। पहले ग्रुप में 70, दूसरे में 85 और तीसरे ग्रुप में 80 युवाओं ने दौड़ में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में पांढुर्ना के नितेश इवनाती ने 4 मिनट 59 सेकंड 09 मिली सेकेंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। बैतूल के संदीप इवने 4 मिनट 59 सेकेंड 61 मिली सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि हरिश्चंद्र यादव ने 5 मिनट 1 सेकेंड में दौड़ पूरी कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों से 51 रुपए का प्रवेश शुल्क लिया गया। आयोजकों ने पहले 50 प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार दिए और कुल 25 हजार रुपए की इनामी राशि वितरित की। आयोजकों ने बताया आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, फिटनेस और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। आयोजकों ने भविष्य में भी इस तरह की प्रतियोगिताएं कराने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रघुकुल डिफेंस अकादमी, आरए स्पोर्ट्स, कमांडो फिजिकल अकादमी और बैतूल फिजिकल अकादमी का विशेष योगदान रहा।

बैतूल में 11 केंद्रों पर हुई आदिवासी संस्कृति ज्ञान परीक्षा

● सैकड़ों बच्चे हुए शामिल, संविधान और परंपराओं से जुड़े पूछे सवाल

बैतूल। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार 3 अगस्त को आदिवासी संस्कृति ज्ञान परीक्षा हुई। यह परीक्षा जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों और जिला मुख्यालय पर हुई। परीक्षा तीन वर्गों में विभाजित थी। पहला वर्ग कक्षा 5वीं से 8वीं, दूसरा कक्षा 9वीं से 12वीं और

तीसरा वर्ग कॉलेज विद्यार्थियों के लिए था। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चली। जिला स्तरीय परीक्षा बैतूल के मेडिटेक करियर इंस्टीट्यूट सिविल लाइन में हुई। यहां 86 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। ब्लॉक स्तर पर भी परीक्षा आयोजित की गई। आठनेर में सबसे अधिक 521 विद्यार्थी शामिल हुए। शाहपुर में 90 और मुलताई में 40 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। अन्य केंद्रों से अभी तक विद्यार्थियों की संख्या की जानकारी नहीं मिल पाई है। परीक्षा में संविधान से जुड़े अनुच्छेद, आदिवासी किले, रीति-रिवाज, विवाह परंपरा और राजा-रानियों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। परीक्षा में ऑप्शनल, लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न शामिल थे। परीक्षा में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 9 अगस्त को आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन के लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर विशेष प्रभारियों की नियुक्ति की गई थी।

विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ की बैठक संपन्न

● वेतनमान और बीमा पर हुई चर्चा, सेवानिवृत्त सदस्यों का सम्मान

बैतूल। विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ जिला शाखा बैतूल की मासिक बैठक विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड लिंक रोड टिकारी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष रेवाराम वराठे ने की। उन्होंने बताया कि सदस्यों द्वारा उठाए गए चौथे वेतनमान के 35 वर्षीय लंबित प्रकरणों को एक सप्ताह के भीतर संबंधित संभागों और वृत्तों को प्रेषित कर निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। बैठक में पेंशनर्स से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जीटीआईएस के भुगतान, महंगाई राहत के एरियर्स के भुगतान और पांच लाख रुपये तक के उपचार बीमा से संबंधित विस्तृत जानकारी भी सभी सदस्यों को दी गई। इस अवसर पर संगठन की ओर से सदस्यों को सभी योजनाओं का लाभ समय पर दिलवाने का भरोसा दिलाया गया। बैठक में लगभग 70 सदस्य मौजूद रहे, जिनमें वरिष्ठ और नव सेवानिवृत्त पेंशनर्स शामिल थे। माह जुलाई एवं उससे पहले सेवानिवृत्त हुए विनायक खोबरे, परसराम यादव, राधे लाल यादव, परसराम उघडे और हरिराम पंडाग्रे का पुष्पहार पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। सदस्यों ने उनके सेवा काल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बैठक का समापन संगठन की एकजुटता और पेंशनर्स हितों की रक्षा के संकल्प के साथ किया गया।

मिलावट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन का अभियान जारी

6 माह में लिये 688 नमूने, 539 की आई रिपोर्ट, 7 प्रकरण दायर

बैतूल। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा मिलावट के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभाग ने विगत 6 माह में जिला मुख्यालय सहित विभिन्न ब्लाकों से करीब 688 नमूने लिये है। जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया है। इसमें से तीन सेम्पल फेल हुए है, जबकि 7 प्रकरण दायर किये गये है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप पाटिल ने बताया कि जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन का मिलावट के खिलाफ अभियान जारी है। जिसमें जिले की होटलों, किराना दुकानों, बेकरी सहित खाद्य सामग्रियों का विक्रय करने वाली दुकानों से सैंपल लिए जा रहे है। इन सेम्पलों को जांच के लिए भोपाल लैब भेजा गया है। जिसमें से अभी तक 539 सैंपलों की रिपोर्ट मिल चुकी है। वहीं शेष 149 सैंपलों की रिपोर्ट आना शेष है। बता दे कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा लीगल और सर्विलेंस नमूने लिये जाते है। इन नमूनों की जांच के उपरांत प्रकरण दायर किये जाते है। यदि खाद्य सामग्रियों में मिलावट पाई जाती है तो संबंधित पर जुर्माने की कार्रवाई या कारावास का प्रावधान है।

239 लीगल और 449 सर्विलांस नमूने लिये – खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप पाटिल ने बताया कि 1 जनवरी से लेकर 30 जून 2025 तक 239 लीगल और 449 सर्विलेंस नमूने लिए। जिसमें से 183 लीगल नमूने और 356 सर्विलेंस नमूनों की रिपोर्ट आई है। वहीं 3 सेम्पल फेल हुए है। बता दे कि विभाग द्वारा खाद्य सामग्रियों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जाते है। जिसमें रिपोर्ट आने में देरी होती है। तब तक अधिकांश खाद्य सामग्री मार्केट में खप जाती है। जानकारों का मानना है कि व्यवस्था यह होना चाहिए कि जिले से जितने सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजे जाते हैं। उनकी जांच रिपोर्ट समय-सीमा में जिले को वापस मिलना चाहिए, ताकि रिपोर्ट के आधार पर अधिकारी से अभियोजन की स्वीकृति लेकर दोषी कारोबारियों पर प्रकरण सक्षम न्यायालय में लगाए जा सकें।

149 रिपोर्ट आना बाकी, 3 सैंपल फेल – जिले में खाद्य विभाग द्वारा जो नमूने लिये गये थे, उसमें से 56 लीगल नमूनों की रिपोर्ट आना बाकी है। इसी तरह सर्विलांस नमूनों में 93 नमूनों की रिपोर्ट अभी अप्राप्त है। वहीं 3 नमूनों के सैंपल फेल हो गये। खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस साल 7 प्रकरणों को दायर किया गया था। वहीं पिछले साल 2024 में 11 प्रकरण किये थे और दोषसिद्ध कारोबारियों पर 6 लाख 60 हजार का जुर्माना किया था, वहीं विगत 1 जनवरी से 30 जून तक 7 प्रकरण दायर किये गये थे। जिसमें से 5 प्रकरण निर्णित हो गये है, दो प्रकरण विचाराधीन है। वहीं दुकानदारों पर 65 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

त्योहारी सीजन में और तेज होगा अभियान – आगामी समय त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है। अगस्त में रक्षाबंधन, इसके बाद गणेश स्थापना, दशहरा और फिर दीपावली त्योहार है। ऐसे में विभाग द्वारा आने वाले दिनों में अभियान और तेज किया जायेगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा मिलावट के खिलाफ अभियान साल भर जारी रहता है, लेकिन त्योहारों के सीजन में अभियान तेज कर दिया जाता है, ताकि लोगों को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके और मिलावट पर पूर्णत- रोक लग पाये। विभाग मिलावट खोरों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहा है।

इनका कहना है – विभाग द्वारा लगातार खाद्य सामग्रियों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे है। 1 जनवरी से अभी तक विभाग ने 688 सेम्पल जांच के लिए भेजे थे, जिसमें से 539 नमूनों की रिपोर्ट आई है। वहीं 3 सेम्पल फेल हुए है। 7 प्रकरण दायर कर 65 हजार का जुर्माना लगाया है।

– संदीप पाटिल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, बैतूल

प्राइमरी स्कूल में नशे में सोता मिला शिक्षक

जयस कार्यकर्ताओं ने बीईओ पर लगाया लापरवाही का आरोप

बैतूल। चिचोली विकासखंड में अधिकारियों की लापरवाही के चलते सरकारी स्कूलों की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शिक्षक शराब पीकर स्कूल पहुंच रहे हैं और ड्यूटी निभाने के बजाय लापरवाही बरत रहे हैं। जिसका वीडियो को सामने आया है। आरोप है कि ग्राम पंचायत बेला के मांडवादा प्राइमरी स्कूल में शनिवार को एक शिक्षक शराब के नशे में धुत्त होकर स्कूल कार्यालय में सोता मिला। जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) के कार्यकर्ताओं ने स्कूल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इसका वीडियो भी बना लिया जो रविवार को सामने आया है। जानकारी के अनुसार इस स्कूल में दो शिक्षक पदस्थ है। स्कूल पहुंचे जयस नेताओं को बच्चों ने बताया कि शिक्षक हमेशा नशे की हालत में स्कूल आते हैं। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिवम उईके ने बताया कि इस तरह की घटनाएं पहले भी देखी गई हैं। उन्होंने बीईओ दीपक महाले को पहले ही इस संबंध में शिकायत की थी। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शनिवार को भी बीईओ को कॉल किया गया। लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग विवेक पांडे ने बताया कि शिक्षक का नाम कमलेश बनकर है। उसे दो दिन पहले ही अजई प्राथमिक शाला से मांडवादा प्राइमरी स्कूल में अटैच किया गया था। उन्होंने कहा कि बीईओ चिचोली को विद्यालय जाकर जांच कर रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देशित किया गया है।

एक पेड़ मां के नाम एक अभियान नहीं हमारा दायित्व : डीडी उइके

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के एक पेड़ मॉ के नाम अभियान कार्यक्रम के तहत बैतूल गंज मंडल में रविवार सुबह जाकिर हुसैन वार्ड गर्ग कॉलोनी में पौधारोपण का कार्यक्रम रखा गया । जिसमें केंद्रीय राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद दुर्गादास उईके, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे,नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, अभियान के जिला सयोजक आनंद प्रजापति, अभियान के सहसंयोजक आठनेर नगर पालिका अध्यक्ष सुषमा जगताप, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चे के जिलाध्यक्ष संजू सोलंकी, गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों व नन्हे मुन्ने बच्चों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पौधारोपण कार्यक्रम में वार्ड के लोगों ने बढचढकर हिस्सा लिया और अपने घरों के सामने पौधे लगाकर उन्हें पेड बनते तक पालने की जिम्मेदारी पालक बन कर ली। इस दौरान श्री उइके ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में इतने पौधे अवश्य लगाना चाहिए अपने जीवन में जितनी आवश्यकता हमें ऑक्सीजन व लकडीयों की होती है वह आवश्यकता कम से कम हम एक पौधा लगाकर पूरी कर सके। यह सिर्फ एक अभियान नही प्रकृति के प्रति हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि एक पौधे को पालना एक अश्वमेध यज्ञ के बराबर होता है। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अभियान पर चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान को लेकर कहा कि पूरे जिले भर में 30 मंडलों में पौधारोपण का कार्यक्रम 15 अगस्त तक चलेगा। जिसमें हजारों की संख्या में पौधारोपण भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय लोगों के साथ करेंगे। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को उन पौधों का पालक बनाया जाए जिससे कि वह पेड़ बन सके। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, अभियान के जिला संयोजक आनंद प्रजापति ने भी पौधारोपण के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सहसंयोजक संजू सोलंकी ने किया एवं आभार सहसंयोजक सुषमा जगताप ने किया। कार्यक्रम में बडी संख्या में वार्ड वासियों सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं गर्ग कॉलोनी रामनगर पौधारोपण ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 215 से अधिक मरीजों को मिला उपचार

● बैतूल में महावीर इंटरनेशनल संकल्प और वर्धमान हेल्थ केयर सेंटर की पहल

● स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श के लिए बड़ी संख्या में पहुंचीं महिलाएं

बैतूल। महावीर इंटरनेशनल संकल्प के तत्वाधान में वर्धमान हेल्थ केयर सेंटर के सहयोग से शुक्रवार 1 अगस्त को दादावाड़ी रोड अलंकार लॉन के सामने स्थित वर्धमान हेल्थ केयर सेंटर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 215 से अधिक मरीजों ने निःशुल्क जांच और परामर्श का लाभ लिया। स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीज पहुंचे जिनकी जांच व उपचार के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रही। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि जैकब गुन्नी, डेंटल सर्जन डॉ. अंशुल एलेक्स गुन्नी तथा एमडी मेडिसिन डॉ. देवेश अमरूते ने मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क परामर्श दिया। शिविर की खास बात यह रही कि इसमें मरीजों का लीवर फाइबो स्कैन पूरी तरह से मुफ्त किया गया, जिससे लीवर का गहन विश्लेषण किया गया। इसके अलावा हृदय रोग, ईसीजी, इको, बीपी, किडनी रोग, लीवर, खून की बीमारियां, शुगर और थायरॉइड जैसी समस्याओं की जांच और उपचार की सुविधा भी शिविर में उपलब्ध कराई गई। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंचीं जिन्होंने स्त्री रोग विशेषज्ञ से अपनी समस्याओं की जांच और परामर्श प्राप्त किया। यह स्वास्थ्य शिविर सुबह 10.30 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे तक चला जिसमें लगातार मरीजों की उपस्थिति बनी रही और लोगों ने इसका भरपूर लाभ उठाया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के शिविर भविष्य में भी लगाए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

माय मेकअप वर्ल्ड में प्रशिक्षणार्थियों ने सीखा पार्लर संचालन का व्यावहारिक हुनर

भारत भारती आरएसईटीआई ने दिलाई पार्लर की ग्राउंड ट्रेनिंग

बैतूल। स्वरोजगार के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में सेंट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान भारत भारती द्वारा 2 अगस्त को ब्यूटी पार्लर कोर्स के प्रशिक्षणार्थियों को कालापाठा स्थित माय मेकअप वर्ल्ड स्टूडियो एंड एकेडमी में यूनिट विजिट कराई गई, जहां उन्हें ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़ी सभी आधुनिक तकनीकों और व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस मौके पर बैतूल की प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट माही जैन ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न प्रकार के मेकअप, हेयर स्टाइल, हेयरकट और पार्लर संचालन से जुड़ी बारीकियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आत्मनिर्भर बनने के लिए इस क्षेत्र में हुनरमंद होकर खुद का व्यवसाय शुरू किया जा सकता है। इस यूनिट विजिट में सेंट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सीईएनटी- आरएसईटीआई) की डायरेक्टर श्रुति शेंडे, सहायक सोनम धोटे, शिखा सोनी एवं शीला मालवी भी उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित किया और बताया कि संस्थान द्वारा निशुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए हर स्तर पर सहयोग प्रदान किया जाता है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से संस्थान द्वारा निःशुल्क स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में अग्रसर किया जा रहा है।

पत्नी से विवाद के चलते पति ने कुल्हाड़ी से की हत्या

बेटी की आंखों के सामने हुआ हृदयविदारक कृत्य, आरोपी फरार

बैतूल। पत्नी से विवाद के चलते पति ने कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। इस हृदयविदारक कृत्य को बेटी ने अपनी आंखों से देखा। फिलहाल पुलिस हत्यारे पति की तलाश कर रही है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार सूचनाकर्ता राहूल पिता स्व. गोरेलाल सेलूकर (21) निवासी गौलीढाना चिखली चौकी भीमपुर थाना चिचोली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी मौसी सुम्मी सेलूकर ग्राम पटवारीढाना चिखली में रहती है। 3 अगस्त को सुबह करीब 9 बजे मौसी की 15 वर्षीय लडकी ने घर आकर बताया कि रात को करीब 2.00 बजे उसके पापा सुखराम सेलूकर ने मम्मी सुम्मी सेलूकर के साथ कुल्हाड़ी से मारपीट की थी और सुबह तक मम्मी नहीं उठी। घायल अवस्था में पड़ी हुई है। मम्मी के सिर में से खून निकल रहा है। मैने, मेरी मां शीला सेलूकर दोनों मौसी सुम्मी सेलूकर के घर आये, जहां मेरी मौसी सुम्मी सेलूकर के चेहरे पर चोट के निशान थे और सिर में चोट आकर खून निकला हुआ था। मौसी सुम्मी के साथ मेरे मौसिया सुखराम सेलूकर ने कुल्हाड़ी से मारपीट कर हत्या की है। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 194 बीएनएसएस. तथा धारा 103(1) बीएनएस. का कायम कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना के मृतिका सुम्मी सेलूकर के शव का पीएम सीएचसी भीमपुर में कराया गया।

आरोपी की तलाश कर रही पुलिस

घटना के बाद फरार पति की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस द्वारा संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। तथा जल्द ही उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। प्रारंभिक पूछताछ में मृतिका की नाबालिग पुत्री ने बताया कि रात्रि लगभग 2 बजे उसके पिता सुखराम सेलूकर (45 वर्ष) ने घरेलू विवाद के दौरान उसकी मां सुम्मीबाई सेलूकर से गाली-गलौज कर मारपीट की तथा कुल्हाड़ी से सिर पर वार किया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। सुबह जब पुत्री जागी तो मां को खून से लथपथ मृत अवस्था में पाकर तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

16 को दही हांडी महोत्सव का आयोजन

बैतूल। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर लिवो लाइंस क्लब बैतूल के तत्वावधान में भव्य दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 16 अगस्त शनिवार को न्यू बैतूल ग्राउंड में आयोजित होगा। क्लब प्रवक्ता नीलराज पगारिया ने बताया कि सामाजिक एकता, युवाओं के उत्साह, और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहन देने के लिए किया जा रहा है। प्रतियोगिता में जिले एवं आसपास की लगभग 30 से अधिक टीमों की भागीदारी अपेक्षित है। प्रतियोगिता में विजयी टीम को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 21,000 रुपये प्रदान किये जायेगे। प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करने वाली टीम को 3,000 रुपये पंजीयन शुल्क जमा करना होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 12 अगस्त निर्धारित की है। क्लब के अध्यक्ष तिलक पगारिया, सचिव अभय माहेश्वरी और कोषाध्यक्ष रोहित थरवानी ने दर्शकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

सांची विधायक डॉ चौधरी ने जिले को प्राप्त निःशुल्क दो शव वाहन को हरी झण्डी दिखाई

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित जिला चिकित्सालय परिसर में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा निःशुल्क दो शव वाहन को हरी झण्डी दिखाई गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा मनुष्यता, सेवा भाव और समाज के गरीब वर्ग सहित अन्य जरूरतमंदों के लिए निरूशुल्क शव वाहन सेवा प्रारंभ की गई है। इस व्यवस्था से परिवहन सुविधा प्राप्त होने पर दिवंगत व्यक्ति की देह को ससम्मान गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में सुविधा होगी। यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, जिसमें वाहन चालक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, सीएमएचओ, सिविल सर्जन सहित अन्य अधिकारी और चिकित्सक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तहत हितग्राही को दो लाख रुपये मिले

विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत श्री भूरा बंजारा पिता नारायण सिंह बंजारा ग्राम कोलुआ पठार को दो लाख रुपये की राशि मिली है। लटेरी तहसील के कोलवा पत्थर गांव के रहने वाले आवेदक श्री भूरा बंजारा पिता श्री नारायण सिंह बंजारा की पत्नि स्व. श्रीमति बबली बंजारा की मृत्यु हो गई थी। श्रीमति बबली बंजारा के खाते में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना होने के चलते मप्र ग्रामीण बैंक शाखा लटेरी द्वारा बीमा कंपनी को दावा राशि क्लेम करने हेतु कार्यवाही संपादित कराई गई और 30 जुलाई को शासन से प्राप्त बीमा क्लेम राशि दो लाख रुपये का भुगतान आवेदक को किया गया, जिससे भारत सरकार की उक्त जन कल्याणकारी बीमा योजना भारी दुख भरी परिस्थिति से पीडित आवेदक को अनिश्चितता के समय वित्तीय सुरक्षा प्रदान प्राप्त हुई है।

भोपाल संभागायुक्त श्री सिंह ने कन्या शिक्षा परिसर का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। भोपाल संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने सीहोर स्थित कन्या शिक्षा परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने स्कूल की कक्षाओं एवं विज्ञान प्रयोगशाला का अवलोकन किया तथा छात्राओं से पढ़ाई के संबंध में चर्चा की। उन्होंने स्कूल में संचालित व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण सहित पाठ्यक्रम तथा व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। कन्या शिक्षा परिसर सूर्या फाउंडेशन द्वारा पीपीपी मोड पर संचालित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरु के., जिला पंचायत सीईओ डॉ. नेहा जैन, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, जनजाति कार्य विभाग के जिला संयोजक श्री अरविंद कुशवाहा, प्रबंधक श्री सत्येंद्र शर्मा, श्री संदीप मौर्य, प्राचार्य श्री लोकेश, प्रशासक श्री अशोक त्रिपाठी सहित सहित अन्य अधिकारी, शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह पुलिस लाइन ग्राउंड पर आयोजित होगा समारोह के लिए अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

सीहोर (निप्र)। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह पुलिस लाइन ग्राउंड पर आयोजित किया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान कार्यक्रम एवं व्यवस्था के दायित्वों का निर्वहन करने के लिए अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। अपर कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी आदेश अनुसार एसडीएम श्री तन्मय वर्मा गणतंत्र दिवस समारोह की समस्त व्यवस्थाओं के प्रभारी होंगे। तहसीलदार श्री भारत नायक एवं तहसीलदार श्री अमित सिंह कार्यक्रम स्थल ध्वजारोहण, कानून व्यवस्था के प्रभारी होंगे, इसी प्रकार समारोह के दौरान व्यवस्थाओं के लिए तहसीलदार श्री अविनाश सोमानिया, उप पंजीयन सहकारी श्री संधीर कैथवास,जिला खनिज अधिकारी श्री धमेन्द्र चौहान, उपसंचालक कृषि श्री अशोक उपाध्याय, उप संचालक जनसंपर्क श्री देवेन्द्र ओगारे, अधीक्षक भू-अभिलेख श्री विजय सिंह सारठिया, जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती नेहा सिंधाई, सहायक संचालक संश्री दिव्या राय, श्रम पदाधिकारी श्री एसएन सांगुल्ले, जिला योजना अधिकारी श्री संजय लक्केवार, डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाहा, प्रबंधक जिला व्यापार के उद्योग केन्द्र श्री अनुराग वर्मा, प्राचार्य आवासीय खेलकूद को संस्थान श्री आलोक शर्मा, जिला रोजगार अधिकारी श्री श्याम कुमार धुर्वे, सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री जगदीश सिलेटे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुधीर डेहरिया कार्यक्रम स्थल पर मय एंबुलेंस एवं चिकित्सा दल के साथ उपस्थित रहेगें।

मां नर्मदा में ना किया जाए मूर्ति विसर्जन, नगर पालिका एक अतिरिक्त विसर्जन कुंड के लिए स्थान करे चिन्हित

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में आगामी त्योहारों, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में कानून व्यवस्था चाक चौबंद रहे तत्संबंध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा आगामी पर्वों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई एवं सुझाव दिए गए।

शांति समिति की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि आगामी त्योहारों के दौरान पर्यावरण, स्वच्छता, एवं सुरक्षा की दृष्टि से नगर के प्रमुख नर्मदा घाटो पर मूर्ति विसर्जन पूर्णता प्रतिबंधित रहेगा। नगर पालिका द्वारा तैयार किए गए विसर्जन कुंड में ही मूर्ति विसर्जन किया जाए। उन्होंने नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए की नगर पालिका परिषद द्वारा एक अन्यत्र विसर्जन कुंड तैयार किए जाने के लिए

सभी त्यौहार आनंद, उल्लास, आपसी सद्भाव एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं :कलेक्ट्रेट

विसर्जन कुण्डं के आस-पास पर्याप्त बिजली एवं सुरक्षा का इंतजाम किया जाएआगामी त्योहारों में जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा ना होआगामी त्योहारों पर जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहें : कलेक्टरजिला स्तयरीय शांति समिति की बैठक संपन्नस

स्थान चयनित किया जाए। कलेक्टर सोनिया मीना ने बैठक के दौरान कहा कि पूर्व की तरह जिले में आगामी पर्व भी शांतिपूर्ण एवं आपसी सद्भाव के साथ मनाया जाए। आपसी सौहार्द एवं भाईचारा ही नर्मदापुरम जिले की परंपरा है। कलेक्टर ने कहा कि आगामी त्योहारों पर चल समारोह, जुलूस आदि का शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन किया जाए। इसके लिए हम सभी का आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पर्वो पर यातायात, पार्किंग, बिजली आदि की बेहतर व्यवस्थायें करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रहे। नियमों का उल्लंघन करने वाले बस एवं वाहनों पर चालानी कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने सभी धर्मगुरुओं एवं आमजनों से कहा है कि आगामी पर्वों पर जुलूस, चल समारोह, रैली आदि का आयोजन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी की अनुमति के साथ ही किया जा सकेगा। उन्होनें कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों का शासन के निर्देशानुसार निर्धारित मानक मापदंडों के अनुरूप ही संचालन किया जाए। कलेक्टर द्वारा स्नान दान व्रत पूर्णिमा आदि स्नान पर्वों के दौरान घाटों पर साफ सफाई नगरपालिका को संयुक्त रूप से व्यवस्थाएं बनाए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के लिए घाटों पर होमगार्ड बल की ड्यूटी भी लगाई जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि उक्त परिप्रेक्ष्य में जिले के समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं तहसीलदारों यथा नर्मदापुरम, इटारसी, सिवनी मालवा, सोहागपुर, पिपरिया पर्व के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए जाने के लिए अपने-अपने तहसीलों में आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करे।

समिति सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव

समिति सदस्यों द्वारा बैठक में आगामी

आगामी त्यौहार जिन पर हुई चर्चा

रक्षा बंधन, हरतालिका तीज व्रत, श्री गणेश चतुर्थी/श्री गणेश स्थापना, दशलक्षण (पर्यूषण), डोल ग्यारस, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश विसर्जन/अनंत चतुर्दशी/विश्वकर्मा, स्नानदान व्रत पूर्णिमा/पितृ तर्पण आदि त्यौहारों के आयोजन के संबंध में चर्चा की गई। बैठक के दौरान विधायक प्रतिनिधि पीयूष शर्मा, पंडित श्री जी पी खड्डर,श्री प्रकाश शिवहरे,शहर काजी हाफिज पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम श्री गुरुकरण सिंह,सिटी मजिस्ट्रेट श्री विजेंद्र रावत ,अनुविभागीय अधिकारी नर्मदापुरम श्रीमती नीता कोरी सहित अन्य अधिकारीगण एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

त्योहारों के संबंध में विशेष साफ सफाई, पर्याप्तश बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने, जगह जगह प्याऊ की व्यवस्था करने, चौक चौराहों पर से अतिक्रमण हटाए जाने, ट्रैफिक व्यवस्था आदि के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

विश्व स्तनपान सप्ताह का किया शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। जिला चिकित्सालय बैतूल के नवीन एमसीएच भवन में गुरूवार को स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत गौला सरपंच श्री गजानंद गावंडे एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हरमाड़े द्वारा किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री गजानंद गावंड़े ने कहा कि विश्व स्तनपान दिवस एक बहुत ही महत्वूपर्ण कार्यक्रम हैं। उन्होंने प्रसूता माताओं को समझाइश दी कि वे शिशु को स्तनपान अवश्य करावें, स्तनपान से बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं बलवान होंगे। साथ ही उन्होंने माताओं को पौष्टिक आहार सेवन करने की सलाह दी ताकि मॉ और बच्चे स्वस्थ रह सकें।

सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि प्रति वर्ष 1 से 7 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जाता है, इस वर्ष की थीम ''स्तनपान में निवेश, भविष्य में निवेश है'' इसका मुख्य उद्देश्य माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार करना है, विशेष रूप से स्तनपान को सक्रिय रूप से बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर को घटाना है। मॉ का दूध शिशु का प्रथम टीका होता है। मां का कर्तव्य है कि जितनी जल्दी हो सके शिशु को एक घण्टे के अंदर स्तनपान कराए, यह अमृत तुल्य है, यह कई बीमारियों से सुरक्षा करता है, बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है, रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है, मॉ के दूध में इनती शक्ति होती है कि दुनिया में कोई टानिक ऐसा नहीं बना जो मॉ के दूध से अच्छा हो।

छः माह तक शिशु को स्तनपान ही करवायें इसके अलावा कोई भी ऊपरी आहार न देवें, माताऐं बच्चों को दो वर्ष तक स्तनपान करवा सकती हैं। उन्होंने उपस्थित नर्सिग ऑफीसर को प्रसूता माताओं को स्तनपान कराने की लगातार काउसलिंग करने हेतु एवं आशा कार्यकर्ताओं को प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात लगातार माताओं को समझाइश देने हेतु कहा। डॉ हुरमाड़े ने उपस्थित प्रसूताओं को दो बच्चों में अंतर रखने एवं दो बच्चों के बाद परिवार नियोजन कार्यक्रम अपनाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृण करने हेतु समझाइश दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक द्वारा जन्म के तुरंत बाद स्तनपान कराने हेतु प्रसूता माताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये, साथ ही पीएनसी वार्ड में भर्ती प्रसूताओं को भी महिला चिकित्सक एवं नर्सिग ऑफीसर द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

33 वर्षों की शासकीय सेवा के उपरांत अपर कलेक्टर श्री डी.के. सिंह हुए सेवानिवृत

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के अपर कलेक्टर श्री डी.के. सिंह गुरुवार, 31 जुलाई 2025 को 33 वर्षों से अधिक की शासकीय सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त हुए। उनके साथ ही जिला पंचायत के स्टेनोग्राफर श्री विजय कुमार महतो ने भी अपने 36 वर्ष से अधिक के दीर्घ सेवाकाल के उपरांत शासकीय सेवा से विदाई ली। कलेक्टर कार्यालय में अपर कलेक्टर श्री सिंह एवं स्टेनोग्राफर श्री मेहतो को कलेक्टर सोनिया मीना सहित कलेक्टर कार्यालय के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आत्मीय विदाई दी गई। उल्लेखनीय है कि श्री डी.के. सिंह ने वर्ष 1992 में महा अधीक्षक भू-अभिलेख, मंदसौर के पद से शासकीय सेवा की शुरुआत की थी। उन्होंने वर्ष 1998 में महा बंदोबस्त अधिकारी, 2013 में डिप्टी कलेक्टर, 2018 में संयुक्त कलेक्टर और 2023 में अपर कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दीं। जुलाई 2023 से वे नर्मदापुरम जिले के अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वहीं श्री विजय कुमार महतो ने वर्ष 1988 में जनपद पंचायत नर्मदापुरम के स्टेनोग्राफर पद से शासकीय सेवा की शुरुआत की। अपने सेवाकाल के दौरान वे वर्ष 2000 में जनपद पंचायत पिपरिया, 2002 में जिला पंचायत नर्मदापुरम, 2012 से 2016 तक पुनः जनपद पंचायत नर्मदापुरम, 2016 से 2020 तक जिला पंचायत, 2020 से 2024 तक कलेक्टर नर्मदपुरम के स्टेनोग्राफर के पद पर कार्यरत रहे एवं 2024 से जिला पंचायत सीईओ के स्टेनोग्राफर के रूप में कार्यरत थे।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री सौजान सिंह रावत, सहित कलेक्टर कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने दोनों श्री सिंह एवं श्री महतो को भावभीनी शुभकामनाएं दीं और उनके योगदान की सराहना की। विदाई समारोह के दौरान श्री डी.के. सिंह एवं श्री विजय महतो के परिजन भी उपस्थित रहे।

युवा संगम के तहत रोजगार मेला 13 अगस्त को

बैतूल (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई व जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बैतूल संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम के तहत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 13 अगस्त को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सदर में आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि प्रातः 11 बजे से आयोजित रोजगार मेले में 9 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने सभी युवाओं से रोजगार मेले में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

रोजगार मेले में यह कंपनी रहेगी मौजूद : जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में मेधावी एस्पायर प्राइवेट लिमिटेड पुणे में उत्पादन एवं गुणवत्ता के 80 पदों के लिए योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई डिप्लोमा होना अनिवार्य है। कुलोदय टेक्नोपैक प्राइवेट लिमिटेड दमन गुजरात में मशीन ऑपरेटर, मैकेनिक हेल्पर के 100 पदों, यशस्वी ग्रुप भोपाल में अप्रेंटिस के 50 पदों, वर्धमान फैब्रिक प्राइवेट लिमिटेड बुधनी में मशीन ऑपरेटर के 100 पदों के लिए योग्यता आठवीं, दसवीं, बारहवीं, आईटीआई होना अनिवार्य है। जेके बायो एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड भोपाल में सेल्स एग्जीक्यूटिव के 20 पदों, आरएफएमआई ग्रुप भोपाल में सेल्स एग्जीक्यूटिव, फील्ड मैनेजर के 50 पदों के लिए योग्यता 10वीं, 12वीं स्नातक होना अनिवार्य है। इसी तरह क्रैस कॉर्प प्राइवेट लिमिटेड पुणे में मशीन ऑपरेटर के 50 पदों के लिए योग्यता दसवीं, बारहवीं, आईटीआई, डिप्लोमा तथा पीएनजी प्राइवेट लिमिटेड मंडीदीप में मशीन ऑपरेटर के 20 पदों के लिए योग्यता 10वीं, 12वीं, आईटीआई होना अनिवार्य है। शक्ति मोटर्स मुलतापी प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेल्स मैनेजर, मैकेनिक हेल्पर के 25 पदों के लिए योग्यता आठवीं से स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा होना अनिवार्य है।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत किया गया 458 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस के तहत जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया गया। जिले में 01 अगस्त को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 295 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 163 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 56 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर बच्चों के टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है।

कलेक्टर-एसपी ने सीवन नदी घाट एवं कावड़ यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। सीहोर नगर के सीवन नदी घाट से कुबेरेश्वर धाम तक 06 अगस्त को कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह कावड़ यात्रा सीहोर बस स्टैंड स्थित पोस्ट ऑफिस चौराहे से प्रारंभ होगी और गंगा आश्रम रोड़, सीवन नदी घाट, कोलीपुरा चौराहा, इंदौर नाका, चौपाल सागर होते हुए कुबेरेश्वर धाम पहुंचेगी। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कावड़ यात्रियों की सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए सीवन नदी घाट एवं कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कावड़ यात्रा के दौरान सीवन नदी घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने और उनकी सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए घाट पर मोटरबोट एवं अन्य संसाधनों के साथ होमगार्ड जवानों एवं अन्य अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सीवन नदी घाट एवं कुबेरेश्वर धाम पर फायर ब्रिगेड, फायर फाइटर, साफ-सफाई आदि की व्यवस्थाओं के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए है। कावड़ यात्रा के दौरान अनेक स्थानों पर शुद्ध पेयजल के टैंकर की उपलब्धता के भी निर्देश दिए हैं। एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने पुलिस अधिकारियों को कावड़ यात्रा के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था के लिए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एएसपी श्रीमती सुनीता रावत, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने राजस्व अधिकारियों को आरसीएमएस पोर्टल के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

राजस्व विभाग की गतिविधियों की कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागवार राजस्व विभाग की गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अनुभागवार सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों से आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि आगामी 10 अगस्त के पहले आरसीएमएस पोर्टल के 90 प्रतिशत से अधिक प्रकरणों को निराकृत कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि कुछ राजस्व अधिकारियों द्वारा बेहतर काम किया जा रहा है तथा अभी तक 80 प्रतिशत से अधिक प्रकरणों को भी निराकृत कर दिया गया है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने भूमि आवंटन के प्रकरणों तथा धारणाधिकार के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि वह क्षेत्र में मूंग उपार्जन केन्द्र, खाद वितरण केन्द्रों का सतत् निरीक्षण करें तथा इस दौरान कृषि अधिकारी भी साथ रहे। साथ ही जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों द्वारा किए जा रहे ईकेवायसी कार्य की मॉनीटरिंग के भी निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने ई-मण्डी योजना के तहत किसानों को मंडियों में कृषि उपज बेचने में कम से कम समय लगे, इसका निरीक्षण करने कृषि उपज मंडियों का भ्रमण करने के निर्देश दिए। साथ ही मंडी सचिवों से भी बात कर यह सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की भी समीक्षा कर जल्द से जल्द शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के लिए भी निर्देशित किया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही अनुभागों से एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

हरदा (निप्र)। हर वर्ष एक से 7 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया जाता है। विश्व स्तनपान सप्ताह के आयोजन का मूल उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना है, जिससे कि शिशुओं को सही पोषण मिल सके और उनका स्वास्थ्य एवं बौद्धिक क्षमता बेहतर हो सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि शुक्रवार को विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत जागरूकता रैली तथा गृह भेंट के माध्यम से महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में बताया गया। स्तनपान सप्ताह के तहत ग्राम धनपाड़ा में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिले के अस्पतालों में एएनसी व ओपीडी में आने वाली गर्भवती व धात्री महिलाओं तथा वार्ड में भर्ती प्रसूताओं व बच्चों की माताओं को स्तनपान संबंधी समझाईश दी गई।

लाड़ली बहनों के आशीर्वाद से तेजी से हो रहे प्रदेश में विकास कार्य

रक्षा-सूत्र केवल धागा नहीं संकल्प है लाड़ली बहनों की रक्षा का, सहयोग का और स्वप्नों को साकार करने का : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के रघुनंदन गार्डन में रक्षाबंधन कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज मैं जहां भी हूं बाबा श्रीमहाकाल और आप सभी लाड़ली बहनों के आशीर्वाद से हूं। लाड़ली बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश में विकास के सभी कार्य तेजी से हो रहे हैं। सनातन संस्कृति के सभी त्यौहार हमें जोड़ने का कार्य करते हैं और पारिवारिक संबंध मजबूत करते हैं। रक्षाबंधन के त्यौहार पर जब बहनों के साथ भांजे भांजी का घर में आगमन होता है तो घर की रौनक और भी बढ़ जाती है। रक्षा-सूत्र केवल धागा नहीं एक संकल्प है बहन की रक्षा का, सहयोग का और स्वप्नों को साकार करने का। भगवान श्री कृष्ण को द्रौपदी ने रक्षा-सूत्र बांधा, भगवान श्रीकृष्ण ने राखी का मान रखना सिखाया। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी कर्तव्यों में बहन द्रौपदी की हर समय, हर परिस्थिति में रक्षा की। भगवान शिव की शक्ति माता पार्वती भी प्रकृति को कष्ट होने पर माँ कालिका का रूप लेकर कष्टों का निवारण करती हैं। इसी प्रकार लाड़ली बहनें भी प्रदेश और समाज के सभी कष्टों का निवारण करती हैं। बहनों, बुआ और बेटियों से ही पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समृद्धि होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन

स्थित रघुनंदन गार्डन में रविवार को लाड़ली बहनों द्वारा आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मनों को यह बता दिया कि हम बहनों के सिंदूर की रक्षा के लिए कृत-संकल्पित हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बहनों का सशक्तिकरण करने के लिए लखपति दीदी और ड्रोन दीदी आदि योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

दुनिया के सभी देशों में केवल भारत ही है जहां त्यौहार को रिश्तों से जोड़कर सामूहिक जीवन जीने की शैली सिखाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार बहनों के जीवन में समृध्दि लाने के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार बहनों के उत्थान के लिए सदैव कार्य करती रहेगी। लाड़ली बहनाओं को वर्तमान में 1250 रुपए की राशि प्रदान की जा रही है उसे बढ़ाकर भाईदूज से 1500 रूपये किये जाएंगे। बहनों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शासन द्वारा संपूर्ण मदद की जा रही है। राज्य सरकार की ओर से कारखानों में कार्य करने वाली हर बहन को 5 हजार रुपए की राशि दस वर्ष तक प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम की शुरुआत लाड़ली बहनों को झूला झुलाकर की। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कन्या-पूजन भी किया गया। इस अवसर पर कन्याओं को स्कूल बैग और पुस्तकें भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहनों पर पुष्प वर्षा की और उनसे राखी बंधवाई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लाड़ली बहनों ने हस्तनिर्मित बड़ी राखी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में लाड़ली बहनों का आभार ''फूलों का तारों का, सबका कहना है; एक हजारों में मेरी बहना है'' गीत गाकर प्रकट किया।

रक्षाबंधन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें, महापौर श्री मुकेश टटवाल, सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, श्री रवि सोलंकी, पार्षदगण व अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण उपस्थित थे।

आईएएस नियाज खान बोले- भ्रष्ट भगवा धारी दूषित कर रहे

सोशल मीडिया पर लिखा- ब्राह्मणों का आईक्यू ऊंचा, सही इस्तेमाल हो

भोपाल (नप्र)। एमपी कैडर के आईएएस अफसर और उपन्यासकार नियाज खान ने सोशल मीडिया पर कुछ लोगों को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आजकल कई भ्रष्ट लोग भगवा वस्त्र पहनकर अपने अपराधों को छिपा रहे हैं और सनातन धर्म का नाम इस्तेमाल कर रहे हैं, जो गलत है।

खान ने कहा कि सनातन धर्म पवित्र है, इसे भ्रष्ट लोगों से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर ट्वीट के जरिए कही।

ब्राह्मणों के आईक्यू का सही इस्तेमाल हो

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों का आईक्यू (बुद्धिमत्ता) सबसे ऊंचा होता है। इसलिए इस बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल समाज को जोड़ने और अंधविश्वास को खत्म करने में किया जाना चाहिए, न कि लोगों को बांटने में।

खान ने कहा कि वह ब्राह्मण सफल है जिसकी सोच वैज्ञानिक है। उन्होंने यह भी कहा कि वेदों का आधार वैज्ञानिक है, इसलिए ब्राह्मणों की सोच भी वैज्ञानिक होनी चाहिए।

अंधविश्वास पर भी निशाना

खान ने अंधविश्वास पर हमला बोलते हुए कहा कि अंधविश्वास व्यक्ति को कट्टर और असहिष्णु बनाता है। उन्होंने कहा कि विवेकशील (समझदार) व्यक्ति शांत और सहनशील होता है, लेकिन अंधविश्वास घृणा को बढ़ाता है और समाज को नुकसान पहुंचाता है।

श्याम भक्ति में डूबा भोपाल

श्री श्याम अलबेला झूलन महोत्सव में झूमे हजारों श्रद्धालु; प्रसादी में उमड़ा जनसैलाब

भोपाल (नप्र)। श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के रंगों में रंगा भोपाल रविवार को श्याम भक्ति के महासागर में डूबा नजर आया। हलालपुरा स्थित स्वागत गार्डन में आयोजित 'श्री श्याम अलबेला झूलन महोत्सव - 2025' भक्ति, भाव और भजन का ऐसा संगम बना, जिसने हजारों श्रद्धालुओं को अभिभूत कर दिया।

जैसे ही फूलों से सजे भव्य झूले पर ठाकुर श्री श्यामसुंदर जी को विराजमान किया गया, पूरा आयोजन स्थल 'श्याम' के जयकारों से गूंज उठा। दीपों की सज्जा, पुष्पवर्षा और श्रद्धालु जन की भावविह्वल उपस्थिति ने वातावरण को मानो वृंदावन बना दिया।

भजन संध्या में छलकी भक्ति भावना

भजन संध्या में देशभर से आए ख्यातनाम कलाकारों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नागपुर से पधारे श्री गीतांश डालमिया और दिल्ली की कु. सोनम समता की सुमधुर स्वरांजलि ने हर मन को राधे-श्याम की भक्ति में डुबो दिया।

प्रसादी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

दोपहर 2 बजे शुरू हुई श्याम रसोई में श्रद्धालुओं का प्रेमपूर्वक स्वागत किया गया। हज़ारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की, और सभी ने एक स्वर में कहा - यह सिर्फ भोजन नहीं, श्याम कृपा का स्वाद है। महोत्सव का आयोजन श्री श्याम ताली संकीर्तन परिवार भोपाल द्वारा किया गया। संस्था की ओर से सभी श्रद्धालुओं, सेवादारों, कलाकारों और मीडिया सहयोगियों का आभार भी व्यक्त किया गया।

भोपाल मंडल के 8 रेलकर्मी सम्मानित

मंडल रेल प्रबंधक बोले- संरक्षा व्यवस्था की मजबूती हमारे कर्मचारियों की सजगता पर निर्भर

भोपाल (नप्र)। रेलवे की संरक्षा प्रणाली में सतर्कता और समय पर निर्णय ही सबसे बड़ा कवच है। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में ऐसा ही उदाहरण पेश करते हुए आठ रेलकर्मियों ने संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टाल दिया। इनकी सजगता, सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के लिए मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में इन्हें संरक्षा पुरस्कार से नवाजा गया।

इन रेलकर्मियों ने ड्यूटी के दौरान कार्यक्षेत्र में उत्पन्न असामान्य स्थितियों को तत्काल पहचाना और उचित कार्रवाई कर यात्रियों की जान और रेलवे की संपत्ति को बचाया। इसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र के साथ नगद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी ने कहा संरक्षा व्यवस्था की मजबूती हमारे कर्मचारियों की सजगता पर निर्भर करती है। आप सबकी तत्परता ने रेलवे की गरिमा को बनाए रखा है।

इनको मिला सम्मान

राजेश यादव, ट्रैक मैन्टेनर -बीना
मुकेश कुमार, ट्रैक मैन्टेनर -बीना
रूपेंद्र गौर, लोको पायलट, इटारसी
जावेद अंसारी, सहायक लोको पायलट, इटारसी
अनिल कुमार मालवीय, लोको पायलट, इटारसी
मनीष चौहान, सहायक लोको पायलट, इटारसी
अजीत चतुर्वेदी, लोको पायलट, इटारसी

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी उफान पर, दुकानों में पानी घुसा

एमपी में अगले 2 दिन तेज बारिश का अलर्ट; भोपाल-इंदौर में बूंदाबांदी के आसार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं है, लेकिन उत्तरप्रदेश की यमुना का जलस्तर बढ़ने से चित्रकूट में मंदाकिनी नदी फिर उफान पर है। यहां रामघाट पर मंदिर के अंदर पानी घुसने लगा है। 100 से ज्यादा दुकानों में जलभराव हो गया है। प्रशासन ने नदी किनारे दुकान खाली करने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश में पिछले 4 दिन से कुछ जिलों में ही हल्की बारिश का दौर है, लेकिन रविवार को ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के 9 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। अगले 2 दिन तक ऐसा मौसम बना रहेगा।

रविवार को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ प्रदेश के ऊपरी हिस्से में है। जिसका असर प्रदेश में नहीं रहा।

हालांकि, दो दिन तक उत्तरी हिस्से में तेज बारिश हो सकती है। इससे पहले टीकमगढ़, गुना, नर्मदापुरम, छतरपुर के नौगांव, रीवा, सागर, सतना, सीधी, उमरिया समेत कई जिलों में हल्की बारिश का दौर चला। टीकमगढ़ में आधा इंच से ज्यादा पानी गिर गया।

पिछले सप्ताह बने थे बाढ़ के हालात

पिछले सप्ताह प्रदेश में बाढ़ के हालात बने थे। खासकर पूर्वी हिस्से यानी- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में मानसून जमकर मेहरबान रहा। रायसेन में बेतवा ने विकराल रूप लिया। खेत-मंदिर और पुल डूब गए। दो दिन से बारिश थमी रही, लेकिन नर्मदा नदी उफान पर है। वहीं, डैम ओवरफ्लो है। इनके गेट खोले गए।

एमपी में अब तक 28 इंच से ज्यादा बारिश

मध्यप्रदेश के ग्वालियर, राजगढ़, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मुरैना और श्योपुर में बारिश का कोटा पूरा हो गया है। यहां सामान्य से 50त्न तक ज्यादा पानी गिर चुका है। टीकमगढ़-निवाड़ी में सबसे ज्यादा बारिश हुई है, जबकि इंदौर में सबसे कम पानी गिरा है। उज्जैन संभाग की तस्वीर भी ठीक नहीं है। वहीं, भोपाल और जबलपुर में सीजन की आधी बारिश हुई है।

प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 28 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 17.6 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 10.5 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है।

रानी कमलापति स्टेशन पर रखा गया रेलवे का ऐतिहासिक इंजन

धौलपुर से लाया गया भोपाल; जेडडीएम 5 इंजन बना आकर्षण का केंद्र

भोपाल (नप्र)। भारतीय रेलवे की गौरवशाली धरोहर अब यात्रियों को रानी कमलापति स्टेशन पर देखने को मिलेगी। पश्चिम मध्य रेलवे ने नैरो गेज का ऐतिहासिक इंजन एनजी एलओसीओ नं. 514 (जेडडीएम) को स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर संरक्षित और प्रदर्शित किया है। यह पहल न केवल रेलवे की तकनीकी विरासत को संजोने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी।

मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में इस ऐतिहासिक धरोहर को स्टेशन परिसर में स्थापित किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि 22 टन वजनी यह इंजन 3 जून 1991 को धौलपुर से अपनी परिचालन यात्रा पर निकला था और करीब तीन दशक तक नैरो गेज (762 मिमी) पटरियों पर दौड़ता रहा। इसकी अंतिम नियमित यात्रा 1 अप्रैल 2019 को टंटपुर-मथुरा खंड में हुई थी।

इसके बाद 30 मार्च 2023 को अंतिम बार तकनीकी परीक्षण के रूप में इंजन को चलाया गया और 1 अप्रैल 2023 को औपचारिक रूप से इसे सेवामुक्त किया गया। डीजल वैक्यूम प्रणाली पर आधारित इस लोकोमोटिव का अनुरक्षण उत्तर मध्य रेलवे के धौलपुर डीजल लोको शेड द्वारा किया जाता था। रेलवे बोर्ड ने 3 नवंबर 2023 को इसे 'हेरिटेज एसेट' का दर्जा प्रदान किया। इस इंजन को 23 जुलाई 2025 को धौलपुर से भोपाल लाया गया और अब यह रानी कमलापति स्टेशन के प्रवेश द्वार पर स्थायी रूप से प्रदर्शित किया गया है। यह यात्रियों के लिए न केवल देखने लायक विरासत है, बल्कि भारतीय रेलवे के विकास की कहानी को समझने का एक सजीव दस्तावेज भी है।

शराब से भरी कार पलटी, एक की मौत-दो घायल

भिंड में वाहन भगाते हुए मोड़ पर अनियंत्रित होने पर हादसा; 18 पेटी रखी थीं

भिंड (नप्र)। भिंड जिले में शराब से भरी का कार पलट गई। इस हादसे में एक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक का शव पीएम के लिए भेजा गया।घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। ये शराब तस्कर मौ से कार से निकले थे जोकि भारौली क्षेत्र में लेकर जा रहे थे। घटना देहात थाना क्षेत्र के रेहला गांव के मोड़ की है। रविवार रात करीब तीन से चार बजे की है। मौ निवासी सोनू चौहान (28) अपने दो साथद्ध अतुल रजक (19) और शीनू खान (18) के साथ कार में शराब की 18 पेटियां भरकर भारौली की ओर निकला। सोनू ने तस्करी के रूट को बदलते हुए मौ से भिंड होते हुए भारौली जाने की योजना बनाई थी। इसी बीच आबकारी ठेकेदार को शराब तस्करी की भनक लग गई। ठेकेदार ने अपनी गाड़ी तस्करों की कार के पीछे लगा दी। ठेकेदार की गाड़ी देखकर तस्करों ने बचने के लिए कार की रफ्तार बढ़ा दी।

दोस्त की अंतिम इच्छा पर अर्थी के आगे किया डांस

बोला-उसने कहा था मेरी शव यात्रा में नाचते हुए चलना; चार साल पुरानी चिट्ठी दिखाई

मंदसौर (नप्र)। मित्रता की ऐसी मिसाल शायद ही कहीं देखने को मिले, जहां एक दोस्त ने अपने मित्र की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उसकी शव यात्रा में डांस किया हो। मंदसौर जिले के जवासिया गांव में सोहनलाल जैन और अंबालाल प्रजापत की दोस्ती की यह अनूठी कहानी आज चर्चाओं में है।

पंद्रह साल पहले एक छोटी सी चाय की दुकान पर शुरू हुई यह दोस्ती, धीरे-धीरे कृष्ण-सुदामा की मित्रता में बदल गई। सत्संग और भक्ति में डूबी इस जोड़ी ने साबित कर दिया कि सच्ची मित्रता न केवल जीवन में बल्कि मृत्यु के बाद भी निभाई

जा सकती है। साल 2021 में सोहनलाल ने एक पत्र लिखकर अपने दोस्त अंबालाल से एक वादा मांगा था कि उनकी मृत्यु के बाद कोई रोना-धोना नहीं, बल्कि ढोल-नगाड़ों के साथ डांस करते हुए उन्हें अंतिम विदाई दी जाए। कैंसर से जूझ रहे सोहनलाल को मौत का डर नहीं था, उन्हें बस अपने दोस्त से यह वादा चाहिए था। जब वह दिन आया तो अंबालाल ने दुनिया की परवाह किए बिना, अपने मित्र की अंतिम इच्छा पूरी की। लोगों ने रोका, लेकिन वह नहीं रुके। क्योंकि यह सिर्फ एक वादा नहीं था, यह था सच्ची मित्रता का प्रतीक, जो आज के समय में एक अनमोल संदेश देता है।

सोहनलाल ने मौत के 4 साल पहले लिखा था दोस्त को पत्र- जवासिया गांव में 30 जुलाई को 71 वर्षीय सोहनलाल जैन की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिनका एक दिन पहले कैंसर से निधन हो गया था। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार सुबह गांव की गलियों में बैंड-बाजे के साथ उनके मित्र अंबालाल प्रजापत ने अर्थी के आगे नाचकर उन्हें विदा किया। सोहनलाल जैन ने 9 जनवरी 2021 को अपने दोस्त अंबालाल प्रजापत को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था, जब मैं इस दुनिया में न रहूं, तब मेरी अंतिम यात्रा में शामिल होकर मेरी अर्थी के आगे नाचते हुए मुझे विदा करना।

20 साल पहले चाय से शुरू हुई सोहनलाल-अंबालाल की दोस्ती

अंबालाल ने बताया कि सोहनलाल जैन करीब 20 साल पहले सिहोर गांव से जवासिया आए थे और यहां दुकान खोली थी। उस समय से वे रोज उन्हें घर की चाय पिलाते थे। इसी से दोस्ती की शुरुआत हुई।

आगे यह रिश्ता इतना गहरा हो गया कि वे दिन में 2-3 बार मिलते थे और रोज बातें करते थे। अंबालाल और सोहनलाल की यह दोस्ती सत्संग और आध्यात्मिक चर्चाओं से शुरू हुई। धीरे-धीरे प्रभात फेरी में साथ चलने लगे, और यूं दोनों की मित्रता गहरी होती गई। सोहनलाल, जो उम्र में बड़े थे, अंबालाल के लिए मित्र से बढ़कर गुरु बन गए। वही थे जिन्होंने अंबालाल को भगवान के मार्ग पर चलना सिखाया। दोनों के बीच कभी कोई मतभेद नहीं हुआ। जब भी सत्संग की बातें होतीं, दोनों की आंखें नम हो जातीं।

अंबालाल ने कहा, कृष्ण-सुदामा जैसी मित्रता, तस्वीर की जरूरत नहीं

2021 में कैंसर से जूझ रहे सोहनलाल ने एक पत्र लिखा। उस पत्र में उन्होंने लिखा था कि जब वे दुनिया छोड़कर जाएं, तो अंबालाल उनकी विदाई बैंड-बाजे और नृत्य के साथ करें। सोहनलाल का मानना था कि मृत्यु से डरना नहीं चाहिए, क्योंकि यह तो एक दिन आनी ही है।

जिस दिन सोहनलाल की मृत्यु हुई, उस सुबह दोनों ने साथ में चाय पी थी। अंबालाल के लिए यह क्षण बेहद भावुक था, लेकिन उन्होंने अपने मित्र की अंतिम इच्छा का सम्मान किया। लोगों ने रोका, लेकिन अंबालाल ने अपने मित्र की शव यात्रा के आगे नृत्य किया।

दोनों के पास कोई साथ की तस्वीर नहीं थी, क्योंकि जैसा कि अंबालाल कहते हैं - उनके बीच कृष्ण और सुदामा जैसी मित्रता थी। तस्वीरों की जरूरत ही नहीं पड़ी, क्योंकि वे एक-दूसरे के दिलों में बसे थे। आज भी अंबालाल सत्संग से जुड़े हैं, अपने मित्र और गुरु की याद में।

महाकाल की चौथी सवारी में शामिल होंगी पर्यटन की झांकियां

नंदी रथ पर श्री उमा-महेश भी रहेंगे; जनजातीय कलाकार देंगे नृत्य प्रस्तुति

उज्जैन (नप्र)। श्री महाकालेश्वर मंदिर से सावन महीने की चौथी सवारी सोमवार, 4 अगस्त को निकलेगी। इस बार भगवान महाकाल की पालकी के साथ नंदी रथ पर भगवान श्री उमा-महेश की प्रतिमा भी शामिल की जाएगी। चौथी सवारी की थीम मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आधारित होगी। इस दौरान जनजातीय और लोक कलाकार रंग-बिरंगे नृत्य प्रस्तुत करेंगे।

सवारी शाम 4 बजे निकलेगी- भगवान महाकाल की यह सवारी शाम 4 बजे मंदिर से निकलेगी। भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर पालकी में विराजेंगे, श्री मनमहेश हाथी पर और श्री शिव-तांडव गरुड़ रथ पर होंगे। भगवान का पूजन-अर्चन मंदिर में किया जाएगा, फिर पालकी नगर भ्रमण पर रवाना होगी। मंदिर के बाहर पुलिस जवान भगवान को सलामी देंगे। सवारी के साथ घुड़सवार पुलिस, होमगार्ड, भजन मंडली, झांझ मंडली और पुलिस बैंड भी चलेगा।

इन मार्गो से निकलेगी सवारी- सवारी महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी से होती हुई रामघाट पहुंचेगी। वहाँ भगवान का शिप्रा नदी के जल से अभिषेक होगा। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी

बाजार होते हुए वापस महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

पर्यटन पर आधारित झांकियां रहेंगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार, इस बार की सवारी में मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की झांकियां भी शामिल रहेंगी।

- वन्यजीव पर्यटनः कान्हा, पेंच, रातापानी और पन्ना टाइगर रिजर्व की झांकियां
- धार्मिक पर्यटनः उज्जैन के सांदीपनि आश्रम और ओंकारेश्वर का एकात्मधाम
- ऐतिहासिक स्थलः ग्वालियर और चंदेरी के किले, खजुराहो के मंदिर
- ग्रामीण पर्यटनः ओरछा में होम स्टे और मंदिर की झांकी